

घुसपैठियों से चुनौती मिल रही, सतर्क रहना है: मोदी

संघ के पास डेमोग्राफी में बदलाव रोकने का रोडमैप, डाक टिकट-सिवका जारी किया

नई दिल्ली पीएम मोदी ने राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (संघ) के शताब्दी समारोह में बुधवार को कहा, "संघ के स्वयंसेवकों ने कभी कटुता नहीं दिखाई। चाहे प्रतिबंध लगे, या साजिश हुई हो। सभी का मंत्र रहा है कि जो अच्छा है, जो कम अच्छा, सब हमारा है। उन्होंने इस मौके पर फर के योगदान को दर्शाने वाला स्मारक डाक टिकट और सिक्का भी जारी किया। उन्होंने कहा कि संघ के स्वयंसेवक जो लगातार देश सेवा में जुटे हैं। समाज को सशक्त कर रहे हैं, इसकी भी झलक इस डाक टिकट में है। मैं इसके लिए देश को बधाई देता हूं। डाक टिकट पर 'राष्ट्र सेवा के 100 वर्ष (1925-2025)' लिखा है। सिक्के पर एक तरफ 100, सत्यमेव जयते और भारत लिखा है। दूसरी तरफ, भारत माता और संघ कार्यकर्ताओं की आकृति उकेरी गई है। साथ में लिखा है 'राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के 100 वर्ष (1925-2025)'

केंद्रीय कर्मचारियों का डीए तीन प्रतिशत बढ़ा

नई दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की अध्यक्षता में हुई केंद्रीय मंत्रिमंडल ने बुधवार को केंद्रीय कर्मचारियों और पेंशनभोगियों के लिए महंगाई भत्ते (डीए) को 3 प्रतिशत बढ़ाकर 55 प्रतिशत करने के प्रस्ताव को मंजूरी दे दी। यह बढ़ोतरी एक जुलाई 2025 से लागू होगी। सूचना एवं प्रसारण मंत्री अश्विनी वैष्णव ने नेशनल मीडिया सेंटर में आयोजित पत्रकार वार्ता में मंत्रिमंडल के फैसले की जानकारी दी। उन्होंने बताया कि कहा कि केंद्रीय कर्मचारियों और पेंशनभोगियों के लिए महंगाई भत्ता और महंगाई राहत में वृद्धि के कारण सरकार पर कुल वार्षिक व्यय 10,083.96 करोड़ रुपये आएगा।

दक्षिण चीन सागर में भारत की धमक, आईएनएस निस्तार की हुई तैनाती

सिंगापुर में भारतीय नौसेना का पराक्रम टाइगर एक्स ने किया कमाल



नई दिल्ली भारत की नौसेना ने अपनी पनडुब्बी बचाव क्षमता में एक बड़ा कदम बढ़ाया है। नौसेना ने पहली बार अपने डीप सबमर्जेंस रेस्क्यू व्हीकल 'टाइगर एक्स' का सफल इस्तेमाल सिंगापुर में आयोजित बहुराष्ट्रीय अभ्यास 'XPR-25' के दौरान किया। इस अभ्यास में भारतीय बचाव प्रणाली ने हिंद महासागर से बाहर जाकर दक्षिण चीन सागर में काम किया और सहयोगी देशों की पनडुब्बियों से जुड़कर पूर्ण बचाव ड्रिल पूरी की। यह अभ्यास 15 से 25 सितंबर तक चला, जिसमें 40 से अधिक देशों की नौसेनाओं ने हिस्सा लिया। इसे दो चरणों में किया गया- इनके साथ

साउथ कोरिया, जापान और सिंगापुर की पनडुब्बियों को 'डिसेंबलड सबमरीन' के रूप में प्रयोग किया गया। भारत ने 2016 में ब्रिटेन की कंपनी खत्रऊ से दो डीएसआरवी खरीदे थे, जिसकी कीमत 193 मिलियन पाउंड है। इन सिस्टम में बचाव वाहन,

'जब भी आपदा आई, स्वयं सेवक सबसे आगे खड़े थे'

पीएम ने कहा, " विभाजन की पीड़ा ने लाखों परिवारों को बेघर किया। स्वयं सेवक सबसे आगे खड़े थे। यह केवल राहत नहीं राष्ट्र की आत्मा को संबल देने का काम था। 1956 में अंजार के भूकंप में भी स्वयं सेवक राहत बचाव में जुटे थे। गुरुजी ने लिखा था, "किसी दूसरे के दुख का दूर

हमें घुसपैठियों से बड़ी चुनौती मिल रही पीएम ने कहा, अन्याय पर न्याय, अंधकार पर प्रकाश की जीत... यह भारतीय संस्कृति के विचार और विश्वास का कालजयी उद्धोष है।

हिमाचल प्रदेश की जनविरोधी कांग्रेस सरकार जनता का हक लूट रही है: जेपी नड्डा



हिमाचल प्रदेश बादल फटने, भूस्खलन और बाढ़ जैसी आपदाओं से उबरने की कोशिश कर रहा है, प्रधानमंत्री मोदी की प्रेरणा से, हिमाचल प्रदेश में पुनर्निर्माण को ध्यान में रखते हुए, सीमेंट पर जीएसटी पर राहत दी गई ताकि सीमेंट की कीमतों में 30 रुपये की गिरावट आए। फिर भी,

'धारा का उद्देश्य, भाव एक ही है, राष्ट्र प्रथम'

संघ उसी अनादि राष्ट्र चेतना का पुण्य अवतार है। संघ और स्वयंसेवकों का एक ही उद्देश्य राष्ट्र प्रथम: समाज के कई क्षेत्रों में संघ लगातार काम कर रहा है। संघ की एक धारा, बंटती तो गई, लेकिन उनमें कभी विरोधाभास पैदा नहीं हुआ, क्योंकि हर धारा का उद्देश्य, भाव एक ही है, राष्ट्र प्रथम। अपने गठन के बाद से ही फर विराट उद्देश्य लेकर चला राष्ट्र निर्माण, इसके लिए जो रास्ता चुना। व्यक्ति निर्माण से राष्ट्र निर्माण, जो पद्धति चुनी वह ही शाखा। दूसरे देशों पर आर्थिक निर्भरता, डेमोग्राफी में बदलाव के षड्यंत्र जैसी चुनौतियों से हमारी सरकार तेजी से निपट रही है। स्वयंसेवक होने के नाते मुझे खुशी है कि संघ ने इसके लिए ठोस रोडमैप भी बनाया है। घुसपैठियों से बड़ी चुनौती मिल रही है। हमें इससे सतर्क रहना है। संघ दशहरा से अपना शताब्दी वर्ष कार्यक्रम शुरू कर रहा है। इसके तहत 2 अक्टूबर 2025 से 20 अक्टूबर 2026 तक देशभर में सात बड़े कार्यक्रम आयोजित होंगे। इसके अलावा संघ प्रमुख मोहन भागवत अमेरिका और यूरोप के कुछ देशों में कार्यक्रमों में शामिल हो सकते हैं।

केंद्र ने दी राष्ट्रीय दलहन मिशन को मंजूरी

नई दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की अध्यक्षता में बुधवार को केंद्रीय मंत्रिमंडल ने "दलहन आत्मनिर्भरता मिशन" को मंजूरी दे दी। इसका उद्देश्य घरेलू उत्पादन को बढ़ावा देना और दालों में आत्मनिर्भरता प्राप्त करना है। केन्द्रीय मंत्री अश्विनी वैष्णव ने पत्रकार वार्ता में बताया कि यह मिशन 2025-26 से 2030-31 तक छह वर्षों की अवधि में 11,440 करोड़ रुपये के वित्तीय परिव्यय के साथ क्रियान्वित किया जाएगा। उन्होंने कहा कि भारत की फसल प्रणालियों और आहार में दालों का विशेष महत्व है। देश दुनिया का सबसे बड़ा दाल उत्पादक और उपभोक्ता है।

किसानों की हुई चांदी... रबी फसलों पर अब मिलेगी ज्यादा कीमत

नई दिल्ली किसानों को बेहतर दाम सुनिश्चित करने के लिए केंद्र सरकार ने विपणन सीजन 2026-27 में रबी फसलों का न्यूनतम समर्थन मूल्य (एमएसपी) बढ़ा दिया है। गेहूँ के एमएसपी में प्रति क्विंटल 160 रुपये की वृद्धि की गई है। गेहूँ का नया समर्थन मूल्य अब 2585 रुपये प्रति क्विंटल हो गया है। सरकार का प्रयास किसानों को मसूर, चना और तेलहन जैसी फसलों की खेती के लिए भी प्रेरित करने का है। इसके लिए चना, मसूर एवं जी आदि का भी समर्थन मूल्य बढ़ाया गया है।

गेहूँ उत्पादक राज्यों के मिलेगा फायदा

दिसंबर में भारत आ सकते हैं पुतिन, पीएम मोदी से होगी बड़ी बातचीत

नई दिल्ली रूस को राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन 5-6 दिसंबर को भारत दौरे पर आ सकते हैं। यहां उनकी मुलाकात प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से होने की संभावना है। दोनों नेताओं के बीच यह शिखर वार्ता ऐसे समय में होने जा रही है जब अमेरिका ने भारत पर रूस तेल खरीदने को लेकर कड़े टैरिफ लगाए हैं। इस उच्च स्तरीय दौरे की घोषणा पहली बार अगस्त में हुई थी जब राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार (ठरअ) अजीत डोभाल मॉस्को गए थे। हालांकि, उस समय तारीख तय नहीं हुई थी। बाद में चीन में हुए शंघाई सहयोग



संगठन (रउड) सम्मेलन के दौरान पुतिन और पीएम मोदी की कार में करीब एक घंटे लंबी मुलाकात हुई थी। रूस से तेल क्यों खरीद रहा भारत ? पुतिन का भारत दौरा ऐसे वक्त में सामने आ रहा है जब भारत और अमेरिका के बीच रूस से व्यापार



प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की अध्यक्षता में बुधवार को आर्थिक मामलों की मंत्रिमंडलीय समिति ने यह फैसला लिया। सरकार का मानना है कि इस वृद्धि से किसानों को उनकी लागत का लाभकारी मूल्य के साथ ही फसल विविधीकरण को भी प्रोत्साहन मिलेगा। उत्तर भारत के गेहूँ उत्पादक राज्यों में इसका सीधा

फायदा किसानों को मिलेगा। अभी तक 2425 रुपये में बिकने वाला गेहूँ अब 2585 रुपये में खरीदा जाएगा। मसूर और सरसों जैसी फसलें भी किसानों को आकर्षित कर सकती हैं, क्योंकि इनके दाम लागत से काफी ऊपर तय किए गए हैं।

सबसे ज्यादा बढ़ोतरी सूरजमुखी

बिहार के बाद यूपी में भी बदलेगी वोटर लिस्ट

पहले चरण में लगभग 57 हजार मतदाताओं के नाम हटाए जाएंगे जिनमें डुप्लीकेट और मृतक शामिल

लखनऊ देश भर में मतदाता सूची को लेकर राजनीतिक घमासान के बीच अगले वर्ष प्रस्तावित ग्राम पंचायतों के त्रिस्तरीय चुनावों के लिए मतदाता सूची को अपडेट किया जा रहा है। लखनऊ में भी 29 सितंबर तक चले पहले चरण के पुनरीक्षण अभियान के दौरान बीएलओ द्वारा घर-घर सत्यापन कर जो आंकड़ा जुटाया गया है उसके अनुसार करीब 57 हजार ऐसे मतदाता चिन्हित किए गए हैं जिनके नाम सूची से बाहर होंगे। इसके साथ ही करीब 97 हजार नए मतदाता जोड़े भी जाएंगे। जिला निर्वाचन कार्यालय के अनुसार जिन मतदाताओं के नाम



सूची से हटाए जाएंगे उनमें डुप्लीकेट के अलावा मृतक हैं। **94738 नए मतदाताओं को सूची में जोड़ा** जिला निर्वाचन कार्यालय के द्वारा जिले में 491 ग्राम पंचायतों में

मतदाता सूची के सत्यापन का कार्य 667 बीएलओ द्वारा किया जा रहा था। पोर्टल पर ताजा आंकड़ों के मुताबिक अब तक बीएलओ ने 94738 नए मतदाताओं को सूची में जोड़ा है।

इसके अलावा 57641 के नाम हटाने के लिए चिन्हित किए गए हैं। मोहनलालगंज विधानसभा क्षेत्र में सबसे अधिक नए मतदाता जुड़े हैं। यहां पर तीस हजार से अधिक नए मतदाताओं के नाम जोड़े गए हैं। दूसरे नंबर पर मलिहाबाद और इसके बाद बख्शी का तालाब विधानसभा है। नए वोटर बढ़ने के साथ ही वोट हटने के मामले में भी मोहनलालगंज विधानसभा का ही नाम है। यहां पर 19 हजार ऐसे मतदाता चिन्हित किए गए हैं जो डुप्लीकेट या मृतकों की श्रेणी में हैं। इस मामले में दूसरे नंबर पर बख्शी का तालाब विधानसभा क्षेत्र है।

भारत को मिला चौथा जीई-404 इंजन

नई दिल्ली अमेरिकी कंपनी जीई एयरोस्पेस ने हिंदुस्तान एयरोनॉटिक्स लिमिटेड को चौथा इंजन सौंप दिया है। इसका इस्तेमाल एलसीए मार्क-1ए लड़ाकू विमानों में किया जाएगा, जिन्हें निकट भविष्य में भारतीय वायु सेना में शामिल किया जाना है। इस वित्तीय वर्ष के अंत तक भारत को 12 जीई-404 इंजन मिलने की उम्मीद है। एचएएल का लक्ष्य इस साल अक्टूबर तक पहला विमान तैयार करना है, जिसमें से तीन पहले ही तैयार हैं और अंतिम परीक्षणों का इंतजार है। इंजन को लेकर बुनियादी समस्याओं का समाधान होने के बाद अब विमान के उत्पादन में तेजी आने की उम्मीद बढ़ी है। भारत ने फरवरी 2021 में एचएएल के साथ 48 हजार करोड़ का एक समझौता किया था। इस अनुबंध में 73 तेजस मार्क-1ए जेट और 10 प्रशिक्षक विमान शामिल थे। भारतीय वायु सेना को 2024 में पहली खेप मिलने की उम्मीद थी, लेकिन इस बीच कंपनी जीई एयरोस्पेस (जीई) ने एफ-404 इंजन का उत्पादन बंद कर दिया। भारतीय वायु सेना के साथ फरवरी, 2021 में अनुबंध होने के बाद हिंदुस्तान एयरोनॉटिक्स



लिमिटेड (एचएएल) को इसी साल मार्च से नए विमान की आपूर्ति होनी थी, लेकिन इसमें लगने वाले इंजन की अमेरिका से आपूर्ति में देरी की वजह से इंतजार लंबा हो गया। लंबे इंतजार के बाद आखिरकार कंपनी ने इसी साल 26 मार्च को पहला इंजन भारत को सौंपा। इसके बाद 13 जुलाई को जीई ने दूसरा इंजन भेजा। एचएएल को एलसीए मार्क-1ए के लिए तीसरा जीई-404 इंजन 11 सितंबर को मिला। कंपनी ने उसी समय एक और इंजन सितंबर के अंत तक देने का वादा किया था। जो माह के आखिरी दिन मिल गया, जिसकी पुष्टि आज एचएएल ने की है। अब भारत को चार इंजन मिल चुके हैं, जिससे एलसीए मार्क-1ए विमानों के उत्पादन और आपूर्ति

का मार्ग प्रशस्त होने की उम्मीद बढ़ी है। इस वित्तीय वर्ष के अंत तक भारत को 12 जीई-404 इंजन मिलने की उम्मीद है। ये इंजन भारत के स्वदेशी हल्के लड़ाकू विमान में लगाए जाएंगे, जिसे भारतीय वायु सेना में शामिल किया जा रहा है। एचएएल के अध्यक्ष और प्रबंध निदेशक डॉ. डीके सुनील ने कहा कि एक अरब अमेरिकी डॉलर से अधिक कीमत वाले 113 जीई-404 इंजनों के ऑर्डर के लिए बातचीत पूरी हो गई है और अनुबंध पर अक्टूबर में हस्ताक्षर होने की उम्मीद है। 25 सितंबर को दिए गए 97 एलसीए मार्क-1ए लड़ाकू विमानों के नए ऑर्डर में 68 सिंगल-सीट लड़ाकू विमानों और 29 टिवन-सीट ट्रेनर विमानों के इंजन शामिल होंगे।

हरियाणा युग पुरुषों की रहा है जन्मस्थली: सैनी

चंडीगढ़ हरियाणा के मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने कहा कि हरियाणा वैदिक काल से सामाजिक, सांस्कृतिक व धार्मिक क्रांति के सूत्रधार युग पुरुषों की जन्मस्थली रहा है। इन महान संतों में सम्पूर्ण मानव जाति का अपनी शिक्षाओं के माध्यम से मार्गदर्शन किया है। उनकी शिक्षाएं आज भी प्रासंगिक है। स्वामी आत्मानंद जी महाराज ने जीवनपर्यंत शोषित एवं वंचित समाज के उत्थान की दिशा में कार्य किया। उन्होंने जात-पात के भेदभाव का हमेशा विरोध किया तथा उन्होंने आर्य समाज के साथ जुड़कर समाज में फैली कुरीतियों को दूर करने में योगदान दिया। मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी बुधवार को रोहतक में स्वामी आत्मानंद हरियाणा अनुसूचित जाति शिक्षा समिति द्वारा आयोजित महान समाज सुधारक स्वामी आत्मानंद महाराज जी की 140वीं जयंती समारोह में बतौर मुख्यातिथि उपस्थितगण को संबोधित कर रहे थे। इस अवसर पर मुख्यमंत्री ने शिक्षा समिति को अपने स्वीच्छक कोष से 51 लाख रुपए की राशि देने की घोषणा की। साथ ही, उन्होंने शिक्षा समिति द्वारा सौंपी गई सभी मांगों को पूरा करवाने का आश्वासन भी दिया। मुख्यमंत्री ने कहा कि 2 अक्टूबर को देश की दो महान विभूतियों की जयंतियां हैं जिनमें राष्ट्रपिता महात्मा गांधी और पूर्व



प्रधानमंत्री लाल बहादुर शास्त्री शामिल हैं। गांधी जी ने सत्य, अहिंसा एवं स्वच्छता का पाठ पढ़ाया, वहीं शास्त्री जी ने जय जवान-जय किसान का नारा दिया। मुख्यमंत्री ने बुराई पर अच्छाई की विजय के प्रतीक दशहरा के पावन पर्व की नागरिकों को अग्रिम बधाई व शुभकामनाएं दी। उन्होंने शिक्षा सुधार पर प्रकाश डालते हुए कहा कि उन्होंने गरीबों व वंचित समाज के कल्याण के लिए जीवनपर्यंत संघर्ष किया।

उन्होंने 1928 में रोहतक में हरियाणा हरिजन आश्रम की स्थापना की तथा 1948 में स्वामी आत्मानंद हरिजन ट्रस्ट बनाया। स्वामी जी ने समाज सुधार के अलावा स्वतंत्रता संग्राम में भी बढ़-चढ़कर हिस्सा लिया तथा जीवनभर शिक्षा के प्रसार के लिए कार्य किया। उन्होंने कहा कि

सरकार द्वारा स्वामी जी के आदर्शों व सिद्धांतों को मूर्त रूप देने के लिए अनुसूचित जाति वर्ग के बच्चों की पढ़ाई के लिए अनेक छात्रवृत्ति योजनाएं चलाई जा रही हैं। सहकारिता मंत्री डॉ. अरविंद शर्मा ने कहा कि मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी प्रदेश के सभी वर्गों के कल्याण के लिए अंतरंग प्रयासरत हैं। उन्होंने स्वामी आत्मानंद अनुसूचित जाति शिक्षा समिति को स्वीच्छक कोष से 21 लाख रुपए देने की घोषणा की। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी द्वारा जीएसटी में किए गए सुधारों का हर वर्ग को लाभ मिल रहा है। राज्यसभा सांसद रामचंद्र जांगड़ा ने कहा कि स्वामी आत्मानंद महाराज ने जीवन भर वंचितों व गरीबों के कल्याण के लिए कार्य किया तथा समाज के बच्चों की शिक्षा के लिए लोगों को प्रोत्साहित किया।

पशुपालन, गोपालन, डेयरी एवं देवर?थान विभाग मंत्री श्री जोराराम कुमावत ने ली समीक्षा बैठक

बूंदी। पशुपालन, गोपालन, डेयरी एवं देवस्थान विभाग मंत्री श्री जोराराम कुमावत ने बुधवार को कलेक्ट्रेट सभागार में गौशाला संचालकों, पशुपालकों एवं पशुपालन विभाग के अधिकारियों की बैठक लेकर आवश्यक दिशा-निर्देश दिए। बैठक में श्री कुमावत ने बूंदी जिले में संचालित 6 अपात्र गौशालाओं की तहसीलवार समीक्षा करते हुए निर्देश दिए कि गौशाला संचालक निर्धारित मापदण्डों के अनुसार गोवंश की संख्या बढ़ाएं। साथ ही अन्य मूलभूत व्यवस्थाएं सुचारू करें, ताकि उन्हें भी राज्य सरकार द्वारा अनुदान उपलब्ध करवाया जा सके। सड़कों पर निराश्रित गोवंशों को भी गौशाला में भर्ती करवाकर उनकी देखभाल की जाएं। उन्होंने जिले में संचालित पात्र गौशालाओं के



संचालकों को वर्तमान में संचालन संबंधी समस्याओं पर विस्तृत चर्चा करते हुए निर्देश दिए कि चारागाह भूमि पर हो रहे अतिक्रमण हटाएं और मृत गोवंश के उठाव की समुचित व्यवस्था करें। उन्होंने कहा कि घायल पशुओं

के लिए एम्बुलेंस की व्यवस्था हों। गौशालाओं में पेयजल, छाया, चारा भण्डारण, चार दीवारी की व्यवस्था की जावे। उन्होंने मोबाइल वेटरनिटी 1062 हेल्पलाइन, गौशाला विकास योजना के

तहत राज्य सरकार द्वारा दिए जा रहे अनुदान, मुख्यमंत्री मंगला पशु बीमा योजना के तहत प्रत्येक पशुपालक के पशुओं की हानि होने पर मिलने वाली मुआवजा राशि, लंबी रोग की रोकथाम के लिए किए जा रहे प्रयासों के बारे में पशुपालकों को जानकारी दी। उन्होंने कहा कि गाय की सेवा करना ही हम सबका लक्ष्य है। गाय न केवल मनुष्य जीवन को बेहतर बनाती है, उससे प्राप्त होने वाला खाद, गो मूत्र, गोबर सहित अन्य सामग्री मनुष्य जीवन के लिए बेहद उपयोगी होती है। उन्होंने कहा कि एक पेड़ माँ के नाम अभियान के तहत चारागाह भूमि पर ज्यादा से ज्यादा पौधारोपण कार्य किया जाए। पशुपालन मंत्री ने बैठक में मुख्यमंत्री मंगला पशु बीमा योजना के तहत जिले में हुए कुल पंजीयन, अर्जित लक्ष्य, प्राप्त लक्ष्य, ग्रामीण सेवा शिविर,

पशुओं में विभिन्न रोगों की जांच, बजट घोषणा वर्ष 2024-25 के तहत घोषित पशु चिकित्सा उपकेन्द्र की वर्तमान स्थिति, एमएफडी टीकाकरण के तहत गाय व भैंस को किए गए टीकाकरण, सेक्स सोटेड सीमन, पशुधन विकास कार्यक्रम के तहत निर्धारित कार्यक्रम के विपरीत प्राप्त की गई प्रगति, पशुओं में होने वाले विभिन्न प्रकार की बीमारियों की रोकथाम के लिए टीकाकरण कार्यक्रम, भेड़ निष्क्रमण कार्यक्रम की समीक्षा की।

बैठक में जिला कलक्टर अक्षय गोदारा, जिलाध्यक्ष रामेश्वर मीणा, संयुक्त निदेशक डॉ. रामलाल मीणा, जिला मत्स्य विकास अधिकारी डॉ. लखनलाल मीणा, सम्बंधित अन्य अधिकारीगण एवं गौशाला संचालक मौजूद रहे।

कांग्रेस प्रदेशाध्यक्ष गोविंद सिंह डोटासरा के जन्मदिन पर रतकांकरा में हुआ कन्या भोज



देश का दर्पण

संवाददाता सुरेश कुमार पटेरिया

कोटा कांग्रेस पार्टी के राजस्थान प्रदेश अध्यक्ष श्री गोविंद सिंह डोटासरा के जन्मदिन और रामनवमी-नवरात्रि के पावन अवसर पर ग्राम रतकांकरा में विशेष आयोजन किया गया। इस अवसर पर ग्रामवासियों और कार्यकर्ताओं की उपस्थिति में कन्या भोज का आयोजन हुआ। उपमहापौर नगर निगम कोटा दक्षिण एवं वार्ड 08 के पार्षद श्री पवन मीणा ने स्वयं कन्याओं के चरण स्पर्श कर आशीर्वाद लिया और प्रदेशाध्यक्ष श्री डोटासरा के दीर्घायु, स्वस्थ और उज्ज्वल भविष्य की मंगलकामना की। उन्होंने कहा कि डोटासरा जी कांग्रेस कार्यकर्ताओं के लिए सदैव प्रेरणास्रोत रहे हैं और संगठन की मजबूती के लिए लगातार कार्य कर रहे हैं। कार्यक्रम में बड़ी संख्या में ग्रामीणजन और कांग्रेस कार्यकर्ता शामिल हुए। इस दौरान चेतन यादव, रवि मीणा (हाड़ौती), शिवप्रकाश नागर, नेवागिस अली, राधेश्याम वेदी सहित अनेक गणमान्य उपस्थित रहे। सभी ने कन्या भोज में भाग लिया और डोटासरा जी के जन्मदिन पर शुभकामनाएँ व्यक्त कीं। पवन मीणा ने इस अवसर पर कहा कि नवरात्रि शक्ति और सत्य की आराधना का पर्व है, और इसी दिन डोटासरा जी जैसे नेतृत्वकर्ता का जन्मदिन होना कांग्रेस परिवार के लिए सौभाग्य की बात है। उन्होंने ग्रामीणों से संवाद करते हुए संगठन की मजबूती, जनता की समस्याओं के समाधान और समाज के अंतिम व्यक्ति तक न्याय पहुँचाने के कांग्रेस के संकल्प को दोहराया। ग्रामीणों ने भी कन्या भोज के आयोजन की सराहना की और इसे धार्मिक आस्था व सामाजिक एकजुटता का प्रतीक बताया।

इंदिरा हैप्पी स्कूल खैरथल में मनाया गांधी जयंती व दशहरा महोत्सव



खैरथल अमित शर्मा

खैरथल स्थानीय इंदिरा हैप्पी स्कूल खैरथल में बुधवार को गांधी जयंती के अवसर पर गांधी जी की प्रतिमा पर माल्यार्पण कर पुष्प चढ़ा कर गांधी जयंती मनाई गई। छोटे-छोटे बच्चों ने गांधी जी की जीवनी पर प्रकाश डाला। विद्यालय के फाउंडर श्रीमती इंद्रपाल खुराना में प्राचार्य डॉ. निरंजन ज्योति ने दीप प्रज्वलित कर कार्यक्रम की शुरुआत की। विद्यालय निदेशक पंकज खुराना ने बच्चों को गांधी जी के बारे में बताया और उनसे प्रेरणा लेकर आगे चलने की शिक्षा दी। जाति है इधर विद्यालय के प्रांगण में छोटे-छोटे बच्चों ने अपने हाथों से रावण का पुतला बनाया और कार्यक्रम के अंत में रावण दहन किया गया। कार्यक्रम का संचालन गर्वी खुराना दिशा बजाज मोना कनानी मोना चंदवानी चांदनी आदि ने किया। रावण का पुतला बनाने में वंश खुराना दक्ष मयंक आदि ने सहायता की। गांधी जी की वेशभूषा में हिमांशु गर्वित रूप लाल बहादुर शास्त्री में नक्श और देव राम के रूप में अनमोल रामानी लक्ष्मण के रूप में

क्षत्रिय कुमावत समाज की भव्य श्री राम शोभायात्रा में दिखा आस्था और एकता का संगम, मंत्री जोराराम कुमावत ने की शिरकत

बूंदी। क्षत्रिय कुमावत समाज के आराध्य देव भगवान श्री राम के जयकारों से बुधवार को बूंदी शहर गुंजायमान हो उठा। राजस्थान क्षत्रिय कुमावत युवा शक्ति समिति के तत्वावधान में आयोजित इस विशाल शोभायात्रा में आस्था, संस्कृति और सामाजिक एकता का अनूठा संगम देखने को मिला। कार्यक्रम की शोभा बढ़ाने के लिए प्रदेश के पशुपालन, गोपालन, डेयरी एवं देवस्थान विभाग मंत्री जोराराम कुमावत विशेष रूप से उपस्थित



रहे। श्री जोराराम कुमावत ने समाज की एकता की सराहना की और युवाओं

बल्कि क्षत्रिय कुमावत समाज की संगठित शक्ति और सामाजिक समरसता का एक अद्भुत प्रदर्शन भी। शोभायात्रा का शुभारंभ सीलोर रोड स्थित क्षत्रिय कुमावत धर्मशाला से हुआ, जहां भगवान श्री राम की विधिवत पूजा-अर्चना की और जयघोष के साथ यात्रा का शुभारंभ हुआ। विशाल शोभायात्रा में सबसे आगे मंगल कलश धारण किए हुए महिलाएं चल रही थीं, जो भारतीय संस्कृति की पवित्रता का प्रतीक थीं। उनके पीछे भगवान श्री राम के

जीवन के विभिन्न प्रसंगों को दर्शाती मनमोहक झांकियां, पारंपरिक वेशभूषा में सजे-धजे हाथी-घोड़े, और बैड-बाजों की मधुर धुनें वातावरण को भक्तिमय बना रही थीं। युवाओं की टोलियां और अखाड़ों के कलाकार अपने शौर्य का प्रदर्शन करते हुए चल रहे थे, जिससे यात्रा में एक अलग ही ऊर्जा का संचार हो रहा था। भव्य शोभायात्रा धर्मशाला से प्रारंभ होकर शहर के प्रमुख मार्गों जैसे लंका गेट,

सूर्यमल्ल मिश्रण चौराहा, सब्जी मण्डी, इन्द्रा मार्केट, अहिंसा सर्किल, खोजागट और गायत्री नगर से होते हुए गुजरी। यात्रा का मार्ग में जगह-जगह गुप्त वर्षा के साथ भव्य स्वागत किया गया। यात्रा का समापन हरिपाली रिसोर्ट, एनएच 12 पर एक विशाल आमसभा के रूप में हुआ। यहां समाज के विकास में महत्वपूर्ण योगदान देने वाले भामाशाहों और गणमान्य नागरिकों को सम्मानित किया गया।

14 वर्षीय राज्य स्तरीय छात्र छात्रा फुटबॉल प्रतियोगिता का हुआ शुभारंभ

सुरज वर्मा शिक्षा विभाग भीलवाड़ा द्वारा आयोजित 69 वि राज्य स्तरीय छात्र छात्रा फुटबॉल प्रतियोगिता का आयोजन 30 सितंबर से 6 अक्टूबर तक लॉर्ड कॉन्वेंट स्कूल में किया जा रहा है उद्घाटन समारोह में मुख्य अतिथि भीलवाड़ा सांसद दामोदर अग्रवाल थे वहीं कार्यक्रम की अध्यक्षता लादू लाल तेली ने की वहीं विशिष्ट अतिथि में प्रतियोगिता संचालन सचिव जिला शिक्षा अधिकारी प्रारंभिक शिक्षा भीलवाड़ा रामेश्वर लाल बाल्दी कल्पेश चौधरी ओम प्रकाश क्रीड़ा भारती से महावीर जी आर्य मायाकांत शर्मा राजेंद्र काबरा सेवा निवृत्ति शारीरिक शिक्षक गोविंद पाठक चतन शर्मा के सहस्र गायल लुहार मोनिका जादेन प्रतियोगिता के संयोजक कैलाश चंद्र खटीक राज शेखरणा पिलाई जगजीतदे सिंह विजय पाल ए डी पी सी



डॉ कल्पना शर्मा विश्वजित सिंह अतिथि पाराशर मौजूद थे आयोजन सचिव रामेश्वर लाल बाल्दी ने बताया कि प्रतियोगिता में छात्र वर्ग में 35 टीमों छात्रा में कुल 34 टीम में लगभग 1200 खिलाड़ी भाग ले रहे है प्रतियोगिता में मंच संचालन सीमा गयल दिनेश शर्मा सुनील डिडवानिया ने किया प्रतियोगिता में स्थानीय स्कूल की बालिकाओं ने रंगा रंग नृत्य प्रस्तुति दी वहीं सभी टीमों ने मार्च पारट किया साथ ही सभी खिलाड़ियों को लादू लाल तेली द्वारा शपथ दिलाई तथा

दामोदर जी अग्रवाल द्वारा झंडा रोहन कर उद्घाटन की घोषणा करवा कर शांति के प्रतीक के रूप में सफेद कबूतर उड़ाए गए प्रतियोगिता के संयोजक कैलाश चंद्र खटीक ने बताया किउद्घाटन मैच छात्र बालोतरा वर्सेज खेरतल तिजारा 8- 0 से खेरतल विजय रही छात्रा वर्ग में सीकर वर्सेज खेरतल के बीच हुआ जिसमे शिखर 4- 0 से विजय रही अगला मैच छात्र वर्ग में जैसलमेर वर्सेज जोधपुर के विंव हुआ जिसमे जोधपुर 2-0 से विजय रही वहीं झुंझुनू वर्सेज गगानगर में मैच ड्रॉ

झूठ की बुनियाद पर टिकी है भाजपा सरकार की नींव : नीरज जड़ौला



युवा रोजगार की तलाश में दर-दर की ठोकरें खा रहे हैं, व्यापारी वर्ग महंगाई और मंदी की मार झेल रहा है और गरीब वर्ग को केवल कागजी हाथी दिखाकर बहलाया जा रहा है। उन्होंने कहा कि भाजपा की ट्रिपल इंजन सरकार के सभी

इंजन फेल हो चुके हैं और इस सरकार से किसी भी वर्ग को न्याय नहीं मिल सकता। विरिष्ठ कांग्रेसी नेता ने कहा कि प्रदेश में बेरोजगारी, भ्रष्टाचार, महंगाई और गुंडागर्दी चरम पर है, लेकिन सरकार मूकदर्शक बनी बैठी है। कानून-व्यवस्था की हालत इतनी खराब है कि आम आदमी खुद को असुरक्षित महसूस कर रहा है। सरकारी संस्थान और मंडियां अव्यवस्था की भेंट चढ़ चुके हैं। नीरज जड़ौला ने कहा कि यह सरकार केवल चुनावों से पहले बड़े-बड़े वादे करती है और सत्ता में आते ही जनता को धोखा देती है। विकास की बातें केवल जादू की और पोस्टरों तक सीमित हैं। आज

गांव से लेकर शहर तक हर वर्ग भाजपा की नीतियों से परेशान है और जनता अब बदलाव चाहती है। उन्होंने कहा कि कांग्रेस की सरकार बनने पर ही लोगों को वास्तविक राहत मिलेगी, क्योंकि कांग्रेस ही वह पार्टी है जिसने हमेशा किसानों, मजदूरों, व्यापारियों, युवाओं और गरीब वर्ग के हक में फैसले लिए हैं। कांग्रेस की नीतियां जनहित पर आधारित हैं और आने वाले समय में कांग्रेस सत्ता में आकर प्रदेश को सही दिशा और नई ऊर्जा देगी। जड़ौला ने जनता से अपील करते हुए कहा कि वे झूठ और छलावे की राजनीति से बाहर निकलकर कांग्रेस को मजबूत करें।

80 वर्ष बाद द्वितीय विश्व युद्ध के शहीदों के परिवारों को मिला सम्मान

कैथल (कृष्ण प्रजापति): गांव फ्रांसवाला स्थित शहीद सिपाही सुरेश कुमार राजकीय मिडिल स्कूल के प्रांगण में शहीदों की याद में जोड़ मेले का आयोजन किया गया। इस अवसर पर जिला परिषद कैथल के सोनियत से अमर शहीद सुरेश कुमार (314 फील्ड रेजीमेंट), जिन्होंने 30 सितंबर 2001 को बारामुला के निकट आतंकवादियों से लड़ते हुए सर्वोच्च बलिदान दिया था, के स्मारक का अनावरण जिला परिषद कैथल केचेयरमैन कर्मवीर कौल ने किया। समारोह में पूर्व सैनिक वेलफेयर एसोसिएशन कैथल के प्रधान जगजीत फौजी, वाइस



चेयरमैन प्रतिनिधि फौजी कर्मवीर, जिला पार्षद प्रतिनिधि बलजीत मालाखेड़ी सहित कई गणमान्य व्यक्ति मौजूद रहे। इस अवसर पर गांव फ्रांसवाला के उन वीर सपूतों की भी श्रद्धांजलि दी गई जिन्होंने

द्वितीय विश्व युद्ध (1939-45) में शहादत पाई थी। **80 वर्ष बाद मिला मान-सम्मान** कार्यक्रम को सबसे विशेष बात यह रही कि द्वितीय विश्व युद्ध में शहीद हुए सिपाही भौरा राम, सिपाही

दीवान सिंह और सिपाही रतीराम के परिजनों को 80 वर्ष बाद सम्मानित किया गया। उनके परिवारजनों ने पूर्व सैनिक वेलफेयर एसोसिएशन की ओर से स्मृति चिन्ह ग्रहण किया। इस अवसर पर चेयरमैन कर्मवीर कौल ने घोषणा करते हुए कहा कि जिला परिषद द्वारा शहीदों के स्मारक ही नहीं, बल्कि सरकार से विमर्श कर प्रथम व द्वितीय विश्व युद्ध में शहीद हुए योद्धाओं के नाम पर सड़कों का नामकरण भी करवाया जाएगा। साथ ही स्कूल प्रांगण में शैंड और जिम बनाने की भी घोषणा की।

शक्करगढ़ में गुरुवार को रामलीला समापन पर धीरज गुर्जर होंगे मुख्य अतिथि

सुरज वर्मा शक्करगढ़ नगर में हर साल की तरह इस बार भी रामलीला का आयोजन बड़ी धूमधाम और श्रद्धा के साथ किया जा रहा है कार्यक्रम का समापन गुरुवार रात विशेष आयोजन के साथ होगा। इस अवसर पर कांग्रेस के राष्ट्रीय सचिव एवं पूर्व मंत्री धीरज गुर्जर बतौर मुख्य अतिथि शिरकत करेंगे। जानकारी के अनुसार, धीरज गुर्जर शाम 9 बजे शक्करगढ़ पहुंचेंगे और रामलीला समापन समारोह में भाग लेंगे। उनके स्वागत के लिए क्षेत्र के कांग्रेस कार्यकर्ता, पदाधिकारी, समर्थक पहुंचेंगे। मंडल अध्यक्ष सत्यनाथगण सेन ने बताया कि ह्रस्वमापन अवसर पर पूरा कांग्रेस परिवार एकजुट रहेगा और धीरज गुर्जर का भव्य स्वागत किया जाएगा। ह्रस्वस्थानीय स्तर पर इस कार्यक्रम को केवल सांस्कृतिक दृष्टि से ही नहीं बल्कि राजनीतिक दृष्टिकोण से भी अहम माना जा रहा है। धीरज गुर्जर के आगमन से कांग्रेस कार्यकर्ताओं में जबरदस्त उत्साह देखने को मिल रहा है।



गौरतलब है कि शक्करगढ़ में रामलीला का आयोजन वर्षों से होता आ रहा है। धार्मिक आस्था और सामाजिक एकता की यह परंपरा अब राजनीतिक रंग के साथ और अधिक चचाओं में है। ईश्वरी एवं ग्रीन स्कूल कार्यक्रम के अंतर्गत दो दिवसीय कार्यशाला का आयोजन

पर्यावरण के संरक्षण एवं सुरक्षा की जिम्मेदारी इन बच्चों के हाथों में

फाजिल्का : (सुरेश रहेजा, परवीन कुमार, साहिल रहेजा) पंजाब राज्य विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी परिषद, चंडीगढ़ के निर्देशन एवं जिला शिक्षा अधिकारी, फाजिल्का, श्री अजय शर्मा, के.सी. बाट एवं मंदकनी के मार्गदर्शन में, जिला फाजिल्का के सभी सरकारी स्कूलों के इको क्लब प्रभारियों के लिए डाइट कोडयांवाली में दो दिवसीय कार्यशाला का आयोजन किया गया। यह कार्यशाला पर्यावरण शिक्षा कार्यक्रम (एनवायरनमेंट एजुकेशन प्रोग्राम) एवं ग्रीन स्कूल कार्यक्रम के अंतर्गत अर्सेजित की गई। डाइट कोडयांवाली की प्रधानाचार्या रचना ने इस कार्यक्रम में विशेष योगदान दिया तथा कार्यक्रम का आयोजन उनकी देखरेख में किया गया।



जिला नोडल अधिकारी ईश्वरी श्री विजयपाल ने बताया कि यह कार्यशाला विद्यार्थियों में पर्यावरण के प्रति जागरूकता पैदा करने के उद्देश्य से आयोजित की गई थी। इस कार्यशाला में जिले के 231 स्कूलों के शिक्षकों ने भाग लिया। रिसोर्स पर्सन श्री नरेश शर्मा, हेड पुनम कस्बा ने शिक्षकों को ईश्वरी के उद्देश्यों और गतिविधियों के बारे में विस्तार से जानकारी दी। कार्यशाला में रिसोर्स पर्सन अंकित सेठी, शिवम विधान और पुनम कस्बा ने विभिन्न विचार-मंथन गतिविधियाँ संचालित कीं। सभी इको क्लब प्रभारियों ने इस कार्यशाला में उत्साह के साथ भाग लिया और अधिक से अधिक बच्चों को मिशन लाइफ से जोड़ने का संकल्प लिया। शिवम विधान और पुनम कस्बा ने हाल ही में अनिल अग्रवाल पर्यावरण प्रशिक्षण संस्थान, निमली (अलवर), राजस्थान में तीन दिवसीय कार्यशाला का समापन किया। इसमें शिक्षक ने ग्रीन स्कूल ऑडिट प्रोग्राम और इको क्लब की विभिन्न गतिविधियों के बारे में विस्तार से अनुभव दिया। इसी अनुभव के आधार पर जिला स्तर पर सभी विद्यालयों के इको क्लब प्रभारियों के लिए एक मुख्य कार्यशाला का आयोजन किया गया, जिसमें ग्रीन स्कूल ऑडिट प्रोग्राम और विभिन्न पर्यावरणीय गतिविधियों के बारे में सिखाया गया। "

इस अवसर पर, डीएसएम श्री प्रदीप काम्बोज जी ने शिक्षकों को संबोधित किया और पर्यावरण संरक्षण हेतु विभाग द्वारा चलाए जा रहे कार्यक्रमों की जानकारी दी। इन कार्यक्रमों के अलावा, उन्होंने एसएचवीआर कार्यक्रम (स्वतः हरित विद्यालय रेटिंग) के पंजीकरण के बारे में विस्तृत जानकारी दी। साथ ही, ग्रीन एक कथन के महत्व और उद्देश्य से भी प्रेरित किया गया। श्री सुनील वर्मा और श्री विजय पाल ने एक पीत माँ के नाम की जानकारी देते हुए कहा कि सभी को एक पौधा अवश्य लगाना चाहिए और उसका पालन-पोषण व रखरखाव अनिवार्य होना चाहिए। यह पौधा बड़ा होकर वृक्ष बनेगा और हमें छाया देने के साथ-साथ अनेक लाभों से भरपूर होगा। कार्यशाला के दौरान, पिछले वर्ष ग्रीन स्कूल कार्यक्रम में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले 11 विद्यालयों को सम्मानित भी किया गया। इसके अलावा, अगले वाले इस कार्यक्रम के लिए पंजीकरण कैसे करें, इस परियोजना में कैसे कार्य करें, इस बारे में भी विस्तृत जानकारी साझा की गई। उन्होंने कहा कि इस तरह की परियोजनाओं को पूरा करने से जहाँ पर्यावरण संरक्षण की प्रेरणा मिलती है, वहीं व्यक्ति अपनी ऊर्जा को सकारात्मक गतिविधियों में लगा सकता है।

श्री गुरछिंदर पाल सिंह ने स्वागत किया। कार्यक्रम के दौरान उपस्थित लोगों का आभार व्यक्त किया और कार्यशाला के सफल समापन के लिए आभार व्यक्त किया। उन्होंने कहा कि इन कार्यक्रमों से मार्गदर्शन लेकर उन्हें जीवन में अपनाया चाहिए।

एसडीएम वीरपाल कौर ने जिला सड़क सुरक्षा समिति की बैठक ली

फाजिल्का : (सुरेश रहेजा, परवीन कुमार, साहिल रहेजा) सड़क सुरक्षा नियमों का पालन सुनिश्चित करने और उन्हें सख्ती से लागू करने के लिए एसडीएम फाजिल्का वीरवल कौर ने जिला सड़क सुरक्षा समिति की बैठक ली। जिसमें पुलिस और आरटीए विभाग को अनाधिकृत पार्किंग, ओवरस्पीडिंग, ओवरलोड वाहनों के खिलाफ आवश्यक कानूनी कार्रवाई करने के निर्देश दिए गए। एसडीएम वीरपाल कौर ने संबंधित विभाग के अधिकारियों को स्कूली बच्चों की सुरक्षा को ध्यान में रखते हुए सुरक्षित स्कूल वाहन नीति को पूरी तरह से लागू करने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि शिक्षा विभाग फाजिल्का के स्कूलों के परिवहन की जाँच करे और स्कूल बैग के चालकों का नियमित परीक्षण किया जाए और इस संबंध में रिकॉर्ड भी बनाए रखा जाए। उन्होंने कहा कि स्कूली वाहनों के चालक फिट होने चाहिए, सभी प्रमाण पूरे होने चाहिए, स्कूली वाहनों की सीटें टूटी हुई नहीं होनी चाहिए, ओवरलोड और एक्सपायर हो चुके वाहनों का इस्तेमाल नहीं किया जाना चाहिए। उन्होंने आगे कहा कि ब्लैक स्पॉट चिह्नित कर उन स्थानों पर साइन बोर्ड/लाइटें आदि लगाई जाएंगी ताकि दुर्घटनाओं को रोका जा सके। उन्होंने कहा कि हमारी जरा सी लापरवाही बड़े हादसे का कारण बन सकती है। इसलिए हमें यातायात नियमों की अनदेखी नहीं करनी चाहिए। उन्होंने कहा कि यातायात प्रभावी और बाल संरक्षण विभाग स्कूली वाहनों की निरंतर जांच करें। उन्होंने यह भी कहा कि दुकानों के बाहर सड़कों पर पड़े सामान को दुकानों में ही रखवाएं क्योंकि इससे सड़क यातायात बाधित होता है। उन्होंने यातायात विभाग के प्रभारियों को यातायात व्यवस्था को सुचारू बनाने के लिए प्रयास करने और आने-जाने वाले लोगों को सड़क नियमों के प्रति जागरूक करने के भी निर्देश दिए।



जयपुर: वक्फ संशोधन कानून के खिलाफ मुस्लिम संगठनों का आंदोलन तेज

जयपुर, 2 अक्टूबर 2025 (वार्ता)*: केंद्र सरकार द्वारा पारित वक्फ (संशोधन) अधिनियम 2025 को भेदभावपूर्ण बताते हुए तहफ्फुज औकाफ कमेटी राजस्थान ने इस संविधान के मौलिक अधिकारों का उल्लंघन करार दिया है। कमेटी ने प्रेस नोट जारी कर कहा कि यह कानून अनुच्छेद 25 (धर्म की स्वतंत्र अभिव्यक्ति), 26 (धार्मिक संस्थानों की स्थापना एवं प्रबंधन) और 29 (सांस्कृतिक व शैक्षिक अधिकारों) का स्पष्ट उल्लंघन है। आल इंडिया मुस्लिम पर्सनल लॉ बोर्ड (अक्वटछ्छ) के नेतृत्व में पूरे देश में चल रहे विरोध आंदोलन के दूसरे चरण के तहत 3 अक्टूबर को घोषित भारत बंद को स्थगित कर दिया गया है। कमेटी के कन्वीनर ने बताया कि भारत बंद को स्थगित करने का फैसला इसलिए लिया गया क्योंकि 3 अक्टूबर को देश के कई राज्यों में हिंदू समुदाय के धार्मिक त्योहार हैं, जिससे असुविधा हो सकती थी। नई तारीख की



घोषणा शीघ्र की जाएगी। अक्वटछ्छ ने हाल ही में सुप्रीम कोर्ट के फैसले पर निराशा जताते हुए उम्मीद जताई है कि अदालत संविधान के अनुरूप फैसला लेगी। बोर्ड ने स्पष्ट किया कि वक्फ कानून के खिलाफ आंदोलन तब तक जारी रहेगा जब तक सरकार संशोधन को

वापस नहीं ले लेती। सुप्रीम कोर्ट ने 15 सितंबर 2025 को वक्फ संशोधन कानून पर सुनवाई करते हुए पूरे कानून पर रोक लगाने से इंकार कर दिया, लेकिन "वक्फ बाय यूजर" जैसी कुछ महत्वपूर्ण धाराओं को अस्थायी रूप से स्थगित कर दिया।

अक्वटछ्छ समेत कई संगठनों ने इसे संविधान विरोधी बताया है, जो वक्फ संपत्तियों पर सरकारी नियंत्रण बढ़ाने का प्रयास है। 'आई लव मुहम्मद' नारे को वैध ठहराया, प्रेस नोट में कमेटी ने यह भी स्पष्ट किया कि "आई लव मुहम्मद सल्ल." के नारे लगाना या बैनर पर लिखना किसी भी रूप में गैरकानूनी या असंवैधानिक नहीं है। यह धार्मिक अभिव्यक्ति का हिस्सा है और संविधान इसे सुरक्षित करता है। **बरेली हिंसा पर निंदा, रिहाई की मांग** कमेटी ने उत्तर प्रदेश के बरेली में शान्तिपूर्ण "पुर अमन मुजाहिदा" के आयोजकों को गिरफ्तारियों की कड़ी निंदा की है। खास तौर पर इस्लामी विद्वान मौलाना तौकीर रजा खान और उनके साथ अन्य निर्दोष लोगों की गिरफ्तारी को साम्प्रदायिक राजनीति और घृणा से प्रेरित शासन का परिणाम बताया। 26 सितंबर 2025 को 'आई लव मुहम्मद' अभियान के समर्थन में

प्रदर्शन के दौरान हुई हिंसा के बाद पुलिस ने मौलाना तौकीर रजा सहित आठ लोगों को गिरफ्तार किया था। पुलिस ने 10 एफआईआर दर्ज कीं और 39 संदिग्धों की पहचान की, जिसमें मौलाना को मुख्य साजिशकर्ता बताया गया। कमेटी ने इसे गंभीर चिंता का विषय बताते हुए उत्तर प्रदेश सरकार से मांग की है कि मौलाना तौकीर रजा और अन्य बेगुनाहों को तत्काल रिहा किया जाए तथा उन पर लगाए गए मुकदमे वापस लिए जाएं। जमात-ए-इस्लामी हिंद के अध्यक्ष सैयद सादतुल्लाह हुसैनी ने भी गिरफ्तारी को अन्यायपूर्ण और राजनीतिक प्रतिशोध बताया है। तहफ्फुज औकाफ कमेटी राजस्थान ने मुस्लिम समुदाय से शान्तिपूर्ण तरीके से आंदोलन में भाग लेने की अपील की है तथा कहा कि यह संघर्ष संवैधानिक अधिकारों की रक्षा के लिए है। कमेटी का मुख्यालय जयपुर के मुस्लिम मुसाफिर खाना, मोती डूंगरी रोड पर है।

69वीं राज्य स्तरीय बॉक्सिंग प्रतियोगिता का हुआ उद्घाटन

जयपुर, एक अक्टूबर। राज्य स्तरीय बॉक्सिंग प्रतियोगिता का राजकीय उच्च माध्यमिक विद्यालय तोपदड़ा, अजमेर में बुधवार को शुभारम्भ हुआ। देवनारायण बोर्ड अध्यक्ष श्री ओम प्रकाश भड़ाणा ने प्रतियोगिता का ध्वज आरोहण किया और सभी जिले से आए हुए खिलाड़ियों को बधाई देते हुए सभी को खेल की भावना से खेलने का आह्वान किया।



लघु उद्योग संघ अध्यक्ष एवं नारेली जैन तीर्थ महामंत्री श्री अतुल जैन ने बताया कि छात्र-छात्राओं को खेल-खेल की भावना से खेलना चाहिए। इस अवसर पर विशिष्ट अतिथि श्री बलराज कच्छवा, एसडीएमसी सदस्य, पार्षद श्री रणजीत सिंह नरूका, जिला शिक्षा अधिकारी मुख्यालय प्रारंभिक शिक्षा श्री गोविंद नारायण शर्मा, अल्प भागी संस्थान प्राचार्य श्रीमती किरण बाला जोनवाल, श्री भंवर सिंह राठौड़, अंतर्राष्ट्रीय बॉक्सिंग रैफरी श्री विशाल निर्वाण भी उपस्थित रहे। 17 से 19 आयु वर्ग की इस प्रतियोगिता में 37 जिलों से 17 वर्ष श्रेणी में 341 छात्र, 258 छात्रा, 19 वर्ष श्रेणी में 261 छात्र, 176 छात्रा सहित कुल 1036 छात्र-छात्राओं ने प्रतियोगिता में भाग लेने के लिए उपस्थिति दर्ज कराई।

राष्ट्रीय राजमार्ग एनएच 148 पर वाहनों की गति सीमा निर्धारित

जयपुर, एक अक्टूबर। राष्ट्रीय राजमार्ग संख्या 148 मनोहरपुर-दौसा खंड पर वाहनों की अधिकतम गति सीमा की निर्धारित करने की नवीन अधिसूचना 1 अक्टूबर, 2025 को गजट में प्रकाशित हुई है जो प्रकाशन के साथ ही प्रभावी हो गई है। इसके अनुसार भारी वाहन ट्रेला के लिए 50 किलोमीटर प्रति घंटा , ट्रक के लिए 60 किलोमीटर प्रति घंटा तथा हल्के भारी वाहन के लिए 60 किलोमीटर प्रति घंटा अधिकतम गति सीमा निर्धारित की गई है। प्रादेशिक परिवहन अधिकार, जयपुर (द्वितीय) धर्मेन्द्र कुमार ने बताया कि मध्यम/भारी यात्रा वाहन के लिए 60 किलोमीटर प्रति घंटा, हल्के चार पहिया के लिए 70 किलोमीटर प्रति घंटा, तीन पहिया के लिए 50 किलोमीटर प्रति घंटा तथा दुपहिया वाहन के लिए अधिकतम गति सीमा 60 किलोमीटर प्रति घंटा निर्धारित की गई है। यह अधिसूचना राष्ट्रीय राजमार्ग संख्या एन एच 148 मनोहरपुर दौसा खंड के 4 लेन के डिवाइडेड कैरेज वे हो जाने तक प्रभावी रहेगी।

मुख्यमंत्री श्री भजनलाल शर्मा की विजयादशमी पर शुभकामनाएं

जयपुर, 01 अक्टूबर। मुख्यमंत्री श्री भजनलाल शर्मा ने विजयादशमी (02 अक्टूबर) पर प्रदेशवासियों को शुभकामनाएं दी हैं।

श्री शर्मा ने कहा कि विजयादशमी पर्व अधर्म और अन्याय पर धर्म तथा न्याय की जीत का प्रतीक है। इस दिन मयादां पुरुषोत्तम श्रीराम ने रावण का वध कर बुराई और अंहकार का नाश किया था।

श्री शर्मा ने कहा कि प्रभु श्रीराम का जीवन उच्चराम नैतिकता, मानवीयता और सामाजिक मूल्यों का प्रतीक है। उन्होंने प्रदेशवासियों से आह्वान किया कि वे श्रीराम के आदर्शों को आत्मसात करते हुए अपने भीतर की बुराइयों का त्याग करें और सदाचार की राह पर चलें।

धान की पराली जलाने वालों पर जिला व पुलिस प्रशासन की टीमें कड़ी नजर रखेंगी - उपायुक्त

फाजिल्का 01अक्टूबर : (सुरेश रहेजा, परवीन कुमार, साहिल रहेजा) ग्रीन ट्रिब्यूनल और सुप्रीम कोर्ट के निर्देशों के अनुसार, फाजिल्का जिला व पुलिस प्रशासन की टीमें पराली जलाने की घटनाओं को रोकने के लिए पूरी एहतियात बरेंतेगी। यह बात फाजिल्का की उपायुक्त अमरप्रीत कौर संघु ने कृषि विभाग सहित विभिन्न विभागों के अधिकारियों और जिले के सभी क्लस्टर अधिकारियों के साथ आयोजित एक बैठक के दौरान व्यक्त की। इस अवसर पर जिला पुलिस प्रमुख गुरमीत सिंह, अतिरिक्त उपायुक्त (जनरल) डॉ. मनदीप कौर, एसडीएम वीरपाल कौर, कंवर्जीत सिंह मान, कृष्ण पाल राजपूत और सहायक आयुक्त अमनदीप सिंह मावी भी उपस्थित थे। बैठक की अध्यक्षता करते हुए, उपायुक्त डॉ. अमरप्रीत कौर संघू ने नोटडल/क्लस्टर अधिकारियों को पराली जलाने की घटनाओं पर कड़ी नजर रखने और विशेष रूप से हॉटस्पॉट क्षेत्रों पर कड़ी नजर रखने के लिए कहा।

वरिष्ठ नागरिकों का सहारा साबित हो रहा सक्षम जयपुर अभियान

जयपुर मुख्यमंत्री श्री भजनलाल शर्मा की मंशानुसार जयपुर जिले में संचालित सक्षम जयपुर अभियान वरिष्ठ नागरिकों के लिए सहारा साबित हो रहा है। अभियान के तहत अंतरराष्ट्रीय वृद्धजन दिवस के अवसर पर बुधवार को जामडौली स्थित सामाजिक न्याय संकुल में विशेष शिविर का आयोजन किया गया। सांसद श्रीमती मंजू शर्मा की अध्यक्षता में आयोजित कार्यक्रम में वरिष्ठ नागरिकों को सहायक उपकरणों का वितरण किया गया।

सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता विभाग के संयुक्त निदेशक श्री बी.पी. चंदेल ने बताया कि जिला कलक्टर डॉ. जितेन्द्र कुमार सोनी के निर्देशों की अनुपालना में सक्षम जयपुर अभियान के तहत आयोजित हुए विशेष शिविर में राष्ट्रीय वयोश्री योजना के अंतर्गत चयनित वरिष्ठ नागरिकों को सहायक उपकरणों का वितरण किया गया है। धमाराह का आयोजन जिला प्रशासन एवं केन्द्रीय सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता मंत्रालय के उपक्रम भारतीय कृत्रिम अंग निर्माण निगम (एलिम्को) के

अंता विधानसभा उपचुनाव मतदाता सूचियों का अन्तिम प्रकाशन

बारां, राजस्थान **बारां, 1 अक्टूबर।** निर्वाचन विभाग राजस्थान जयपुर के निदेशानुसार बुधवार को अगामी उप चुनाव के दृष्टित विधानसभा निर्वाचन क्षेत्र 193 अंता में अर्हता 1 जुलाई 2025 के संदर्भ में मतदाता सूचियों के विशेष संक्षिप्त पुनरीक्षण कार्यक्रम के अन्तर्गत मतदाता सूचियों के अन्तिम प्रकाशन 1 अक्टूबर 2025 के संबंध में जिला निर्वाचन अधिकारी रोहिताश्व सिंह तोमर की अध्यक्षता में बैठक आहूत की गई। जिसमें राजनैतिक दलों के प्रतिनिधि व मीडिया कर्मी भी मौजूद रहे।



बैठक में अर्हता 1 जुलाई 2025 के संदर्भ में विशेष संक्षिप्त पुनरीक्षण कार्यक्रम के बारे में राजनैतिक दलों के प्रतिनिधियों को जानकारी प्रदान की गई जिसके तहत बुधवार को मतदाता सूचियों का अन्तिम प्रकाशन किया गया। इस क्रम में राजनैतिक दलों के

समय विधानसभा निर्वाचन क्षेत्र अन्ता में कुल 226227 मतदाता थे। जिसमें 115982 पुरुष मतदाता, 110241 महिला मतदाता एवं 4 अन्य मतदाता थे। विशेष संक्षिप्त पुनरीक्षण कार्यक्रम की तिथियों के तहत प्रारूप प्रकाशन के पश्चात 3 से 17 सितंबर 2025 तक दावे आपत्तियां प्राप्त की गईं। सभी प्राप्त दावे व आपत्तियों का निस्तारण 25 सितम्बर, 2025 तक किया गया। 1अक्टूबर 2025 को मतदाता सूची के अन्तिम प्रकाशन के अन्तर्गत अंता विधानसभा क्षेत्र में 116405 पुरुष, 111154 महिला एवं 4 अन्य मतदाता नामांकित हैं।

स्वास्थ्य विभाग ने सिविल अस्पताल अबोहर में विश्व रेबीज दिवस पर जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किया

डॉ. सुरेश कंबोज, एसएमओ फाजिल्का, 01 अक्टूबर : (सुरेश रहेजा, परवीन कुमार, साहिल रहेजा) पंजाब सरकार के दिशा-निर्देशों के अनुसार, सिविल सर्जन डॉ. रोहित गोयल के आदेशानुसार, सिविल अस्पताल अबोहर में विश्व रेबीज दिवस पर @व्ही अउरइल्लत ठड्डकः ड्ड४, टी डड्डूरल्लरल@ थीम पर एक जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किया गया। इस अवसर पर मास मीडिया विंग से विनोद खुराना, मनवीर सिंह, दिवेश कुमार उपस्थित थे। इस दौरान डॉ. सुरेश कुमार ने बताया कि हमारे देश में रेबीज छोट कुत्तों, खरगोशों, बिल्लियों, रैकून, सियार और अन्य जानवरों के काटने से मुन्खों में फैल



सकता है। उन्होंने कहा कि जानवरों के काटने/कटने/खरोंच/घाव को नजरअंदाज न करें, घाव पर मिर्च, ससों का तेल या अन्य ऐसी चीजें न लगाएँ, घाव पर टैंक या पट्टी न बाँधें। पर पर या किसी नीम-हक्कीम से इसका इलाज न

करवाएँ, बल्कि किसी विशेषज्ञ डॉक्टर से इलाज करवाएँ। अपने बच्चों को आवारा कुत्तों से दूर रहने और अंधविश्वास से बचने के लिए प्रेरित करें। कुत्ते आपके दोस्त हो सकते हैं, लेकिन गुस्सा आने पर आपको काट भी सकते थे।

हैं। इसलिए इनसे दूर रहना चाहिए। अगर कोई कुत्ता आपको काट ले, तो घाव को तुरंत बहते पानी और साबुन से धोएँ, मौके पर उपलब्ध कीटनाशक लगाएँ और जल्द से जल्द स्वास्थ्य केंद्र जाकर किसी विशेषज्ञ डॉक्टर से प्राथमिक उपचार करवाएँ और रेबीज से बचाव के लिए सीरम और एंटी-रेबीज टैंक जरूर लगावाएँ। इस दौरान उप-मास मीडिया अधिकारी मनवीर सिंह ने कहा कि अपने कुत्तों और बिल्लियों का रेबीज का टीका 3 महीने की उम्र से लगवाएँ और हर साल उन्हें रेबीज का टीका लगवाएँ। इस समय हरविंदर कौर फमसीं अधिकारी, टहल सिंह, भरत सेठी, दिनेश रानी, ? ?शिमला रानी, ??आशा वर्कर आदि उपस्थित थे।

जिम करने से शरीर फिट रहता है इरफान सिद्दीकी

राष्ट्रीय शान सलोन, रायबरेली। नगर के श्याम मार्केट में स्पेशल फोर्सेज फिटनेस जिम का भव्य शुभारंभ, उद्घाटन नगर पंचायत सलोन के अध्यक्ष पद के पूर्व प्रत्याशी इरफान सिद्दीकी के कार्यक्रमों द्वारा किया गया। इस अवसर पर बड़ी संख्या में नौजवान उपस्थित रहे। जिम का उद्घाटन फोता काटकर किया गया।

इस अवसर पर अपने संबोधन में युवा नेता इरफान सिद्दीकी ने कहा कि जिम करने से शरीर स्वस्थ व फिट रहता है। जिम संचालक मोहम्मद इरफान,मोहम्मद रजी,इसरार



गुब्बी,फिरोज अहमद,तैयब खान, जैद खान,इमरान घोसी,मोहम्मद इमरान मास्टर,समीर आलम,

मोहम्मद फहद खान,फरदीन हैदर,तहसीन ,सनी मौनू सिंह,सीजान हैदर,अनूप यादव,

किटी साहू, साहिल,तौफोक, रिजवान,हाजी सफी मुख्य रूप से मौजूद रहे/

बाइमेर के मेवाराम जैन की कांग्रेस वापसी पर आम आदमी पार्टी का हमला, कहा: कांग्रेस और भाजपा महिलाओं व बच्चियों पर अत्याचारियों की पनाहगाह

जयपुर। आम आदमी पार्टी ने बाइमेर के विवादित पूर्व विधायक मेवाराम जैन की कांग्रेस में वापसी पर कड़ा हमला बोला है। पार्टी ने कहा कि यह कदम कांग्रेस की महिला विरोधी मानसिकता और चरित्र को उजागर करता है। मेवाराम जैन पर गैंगरेप, पॉक्सो और यौन उपीड़न जैसे गंभीर मामले दर्ज हैं। 2023 में जोधपुर के राजीव गांधी थाने में दर्ज एफआईआर में जैन और उनके साथियों पर महिला, उनकी नाबालिग बेटी और एक अन्य युवती से बलात्कार और धमकी देने के आरोप लगे। इस मामले में राजस्थान हाईकोर्ट ने उनकी गिरफ्तारी पर रोक लगाई थी। सोशल मीडिया पर उनका अश्लील वीडियो वायरल होने पर कांग्रेस ने उन्हें अस्थायी रूप से सस्पेंड किया था।

आप प्रदेश प्रभारी धीरज टोकस ने कहा : मेवाराम जैन की वापसी से कांग्रेस को असली चेहरा सामने आ गया। जो पार्टी महिलाओं की सुरक्षा की बात करती है, वही आरोपित अपराधियों को अपनाती है। जनता अब समझ चुकी है कि कांग्रेस सत्ता के लिए किसी भी हद तक गिर सकती है। आप सहप्रभारी चनेंद्र भारद्वाज ने भाजपा पर हमला बोलते हुए कहा : कांग्रेस की तरह भाजपा भी महिलाओं के खिलाफ अपराध में शामिल नेताओं को संरक्षण देती है। प्रदेश में कई भाजपा नेता ऐसे हैं जिन पर गंभीर आरोप हैं, लेकिन कोई कार्रवाई नहीं हुई।

ग्रामीण विकास मंत्री ने किया सुमंगल दीपावली मेलाझ 2025 का शुभारंभ



जयपुर, एक अक्टूबर। ग्रामीण विकास मंत्री डॉ. किरोड़ी लाल ने राजस्थान ग्रामीण आजीविका विकास परिषद (राजीविका) के सौजन्य से इंदिरा गांधी पंचायती राज संस्थान में आयोजित हो रहे सुमंगल दीपावली मेलाझ2025 का बुधवार को शुभारंभ किया । उन्होंने कहा कि यह मेला स्वयं सहायता समूहों की महिलाओं के हुनर और आत्मनिर्भरता का प्रतीक है। यह आयोजन केवल एक उत्सव नहीं बल्कि ग्रामीण जीवन, कला, संस्कृति और महिला सशक्तीकरण का एक सशक्त मंच है जो ग्रामीण महिलाओं के जीवन में नई रोशनी लेकर आएगा। डॉ. किरोड़ी ने कहा कि राजीविका ने प्रशिक्षण, वित्तीय सहयोग और विपणन अवसर प्रदान कर ग्रामीण महिलाओं को सशक्त बनाया है। आज ये महिलाएँ न केवल अपने परिवारों का संबल हैं बल्कि गाँव की अर्थव्यवस्था को भी मजबूत बना रही हैं। उन्होंने मेले में स्वयं सहायता समूहों की महिलाओं से बात कर उनकी संख्या, लागत और आय के बारे में जानकारी ली। उन्होंने आमजन से इस मेले में अधिक से अधिक खरीदारी करने का आह्वान किया तथा कहा कि यहां से खरीदा गया प्रत्येक उत्पाद केवल एक वस्तु नहीं बल्कि हमारी ग्रामीण बहनों की मेहनत और सपनों का प्रतीक है। उन्होंने अलवर के स्वयं सहायता समूह द्वारा लगाई गई स्टॉल से दीये खरीद कर यूपीआई से भुगतान किया। उल्लेखनीय है कि यह मेला 1 से 12 अक्टूबर तक इंदिरा गांधी पंचायती राज ग्रामीण विकास संस्थान परिसर जवाहर लाल नेहरू मार्ग जयपुर में प्रतिदिन प्रातः १0 बजे से रात्रि 9 बजे तक आयोजित किया जा रहा है। मेले में 65 हैंडीक्राफ्ट स्टॉल्स एवं 10 स्टॉल्स से सजा भव्य फूड कोर्ट आकर्षण के केंद्र हैं। यहाँ आगंतुकों को राजस्थान के विविध जिलों के हस्तनिर्मित उत्पाद और परम्परागत राजस्थानी व्यंजनों का आनंद लेने का अवसर मिल रहा है।

राजकीय संग्रहालय में सिंधु सभ्यता की मिलेगी अनोखी झलक,

धरोहर संरक्षण के साथ आधुनिक प्रदर्शनी का होगा संगम—

जयपुर, एक अक्टूबर। मुख्यमंत्री बजट घोषणा के तहत राजकीय संग्रहालय, अजमेर के संरक्षण, जीर्णोद्धार एवं उन्नयन कार्यों का बुधवार को उप मुख्यमंत्री दिया कुमार तथा विधानसभा अध्यक्ष श्री वासुदेव देवनानी ने शुभारंभ किया ।



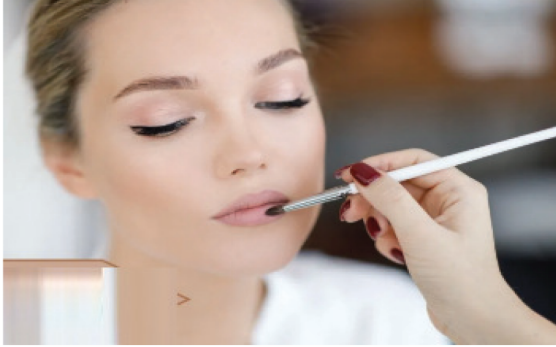
उप मुख्यमंत्री दिया कुमारी ने कहा कि संग्रहालय किसी भी समाज की धरोहर होता है। ये प्राचीन सभ्यता, जीवनशैली, कला, युद्ध कौशल और चिंतन को आने वाली पीढ़ियों तक पहुंचाता है। उन्होंने कहा कि संग्रहालय का रख-रखाव सरकार की जिम्मेदारी है। इसके साथ नागरिकों की भी यह जिम्मेदारी बनती है कि वे अपने परिवार और बच्चों के साथ इन धरोहर स्थलों पर जाएं और उन्हें जीवंत बनाए रखें। उन्होंने कहा कि बजट घोषणा के अंतर्गत 5 करोड़ रुपये की राशि संग्रहालय विकास कार्यों के लिए स्वीकृत की गई थी, जो अब धरातल पर उतर रही है। उन्होंने कहा कि हेरिटेज लाइब्रेरी के नवीनीकरण और पांडुलिपियों के डिजिटलीकरण के लिए भी बजट प्रावधान किया जाएगा। स्थानीय कामगारों की हस्तनिर्मित वस्तुओं को बढ़ावा देने के लिए संग्रहालय में एक सर्वेनर शॉप स्थापित की जाए। इससे वोकल फॉर लोकल की भावना को प्रोत्साहन मिलेगा। उन्होंने कहा कि आगामी समय में घूमर उत्सव का आयोजन किया जाएगा। ?तिहासिक धरोहरों पर सांस्कृतिक कार्यक्रमों का आयोजन नियमित रूप से किया जाना चाहिए। इससे धरोहरों की जीवंतता बनी रहेगी।

उन्होंने कहा कि बस स्टैंड, रेलवे स्टेशन और अन्य सार्वजनिक स्थानों पर पर्यटक स्थलों से संबंधित जानकारी प्रदर्शित करने वाले साइन बोर्ड लगाए जाने आवश्यक है। इससे पर्यटक बढ़ेंगे। उन्होंने नागरिकों से आह्वान किया कि वे सोशल मीडिया सहित अन्य प्लेटफॉर्म पर अपने स्थानीय पर्यटक स्थलों को बढ़ावा दें।

विधानसभा अध्यक्ष ने कहा कि राजकीय संग्रहालय का उन्नयन अजमेर की ऐतिहासिक पहचान को नई दिशा देगा। संग्रहालय में सुरक्षित प्राचीन पांडुलिपियां और हजारों वर्षों की मानव सभ्यता से जुड़ी मूर्तियां हमारी संस्कृति के धरोहर हैं।

जयपुर/संपादकीय

क्या है मोनोक्रोम मेकअप ट्रेंड लड़कियों को खूब आ रहा पसंद, जानें इसे कैसे करें



मेकअप किसी भी ओकेजन के लिए आपके स्टाइल को परफेक्ट बनाने का काम करता है, लाइवर लगाने के स्टाइल से लेकर मेकअप में यूज होने वाले कलर शेड्स तक...थोड़े-थोड़े दिनों में बदलाव होते रहते हैं और एक नया ट्रेड सेट हो जाता है. इस तक मोनोक्रोमैटिक मेकअप तुक काफी पसंद किया जा रहा है. वहीं जान लेते हैं इसके बारे में,

मेकअप सिर्फ लिपस्टिक या फिर लाइनर अप्लाई करना भर नहीं है, बल्कि ये एक आर्ट है. चेहरे के फीचर्स को फाइन करने से लेकर कमियों को छुपाकर मेकअप किसी भी इंसान की ब्यूटी को और इनहैंस करने का काम करता है, इसलिए मेकअप करने के बाद इंसान ज्यादा खुश और कॉन्फिडेंस भी महसूस करता है. फैशन में जिस तरह से नए-नए ट्रेंड सेट होते रहते हैं ठीक उसी तरह से मेकअप में भी नए ट्रेंड आते रहते हैं. ओकेजन के हिसाब से नेचुरल, न्यूट्रल, बोल्ड, ड्रामेटिक, जैसे कई मेकअप स्टाइल हैं. इस वक्त मोनोक्रोम मेकअप काफी पसंद किया जा रहा है और ये उन लड़कियों के लिए बेस्ट है जो मेकअप में वाइब्रेंट कलर्स यूज करना पसंद नहीं करती हैं और एक सटल लुक चाहती हैं.मोनोक्रोम मेकअप इस वक्त काफी पसंद किया जा रहा है. आम लोगों से लेकर सेलिब्रिटीज भी मोनोक्रोमैटिक मेक्प लुक पर फिदा हैं. आप भी किसी खास ओकेजन या फिर वर्क प्लेस के लिए मोनोक्रोम मेकअप लुक को क्रिएट कर सकती हैं. इस आर्टिकल में जानेंगे कि क्या होता है मोनोक्रोम मेकअप लुक और ये कितनी तरह का होता है.

क्या है मोनोक्रोमैटिक या मोनोक्रोम मेकअप?

मोनोक्रोमजड्स शब्द का मतलब है ‘एक ही रंग का’. जिस तरह से फैशन की दुनिया में मोनोक्रोम शब्द इस्तेमाल उस अटायर के लिए किया जाता है, जिसमें एक ही रंग का यूज किया गया हो या फिर एक ही रंग के अलग-अलग शेड्स हो. उसी तरह से मोनोक्रोमैटिक मेकअप तब होता है जब फेस के फीचर्स को फाइन और शार्प दिखाने वाले हाइलाइटर से लेकर आईशेडो, और लिप शेड तक का मेकअप एक ही पैलेट का हो यानी एक ही कलर के शेड्स का यूज किया गया हो.

आप भी कर सकती हैं ये मेकअप

इस मेकअप को अलग-अलग स्किन टोन के लोग भी कर सकते हैं, क्योंकि इसमें भी तीन तरह के मेकअप लुक होते हैं जो जिनमें अलग-अलग रंगों के लाइट, डार्क शेड्स के मेकअप कंप्लीट किया जाता है. आप अपने हिसाब से म्यूटेड, ब्राउन टोन वाला मोनोक्रोमैटिक मेकअप या ऑरेंज टोन वाला मोनोक्रोमैटिक मेकअप कर सकती हैं. इससे फीचर्स को हाइलाइट करने में हेल्प मिलती है और स्किन टोन के मुताबिक कलर्स का इस्तेमाल होता है तो ब्यूटी भी निखकर आती है. चलिए कुछ मोनोक्रोमैटिक मेकअप लुक्स के बारे में जान लेते हैं.

पिंक मोनोक्रोम मेकअप

मोनोक्रोमैटिक मेकअप में अगर आप ऐसा लुक क्रिएट करना चाहती हैं जो क्यूट, फन और फलटीं टच वाला हो तो पिंक शेड मेकअप बेस्ट रहेगा. इसके लिए आपको हमेशा की तरह फेस मेकअप बसे लगाना है, जैसे फाउंडेशन ब्लेंड करें, कसीलर लगाएं, जहां स्किन अनईवन टोन है, वहां पर कलर करेक्टर का यूज करें. इसके बाद चीक्स को पिंक कलर का ब्लश दें, लेकिन ध्यान रखें कि ये नेचुरल दिखना चाहिए. इसके बाद रोजी पिंक टोन वाला आईशेडो लगाएं. इसमें भी आप पिंक के दो कलर यूज कर सकती हैं, लेकिन ध्यान रखें कि डार्क रंगों का यूज नहीं करना है. अपने लिप्स को बेबी सॉफ्ट टच देने के लिए म्यूटेड पिंक लिपस्टिक अप्लाई करें.

न्यूड मोनोक्रोम मेकअप

हर सीजन और ओकेजन के लिए न्यूड मोनोक्रोम मेकअप लुक बेस्ट रहता है.

अखंड भारत का नाम, खंडित करने का काम

लद्दाख के हाल के घटनाक्रम ने इस सच्चाई को आंखें खोलने वाले तरीके से सामने ला दिया है कि आरएसएस-भाजपा नाम भले अखंड भारत का लेते हों, वास्तव में काम भारत को खंडित करने का ही करते हैं

लद्दाख जैसे पर्यावरणीय दृष्टि से नाजुक और मुख्यतः आदिवासी आबादी वाले प्रदेश के लिए स्वायत्तता का यह अंत इसलिए और भी खतरनाक हो जाता है कि दिल्ली के वर्तमान शासन की विकास की संकल्पना, संक्षेप में दरबारी इजारेदारों द्वारा प्राकृतिक संसाधनों की अंधाधुंध लूट का रास्ता खोलने की ही संकल्पना है। लद्दाख का बर्फ का रेगिस्तान स्वाभाविक रूप से उनकी नजरों में ऐसी लूट का खुला मैदान है।लद्दाख के हाल के घटनाक्रम ने इस सच्चाई को आंखें खोलने वाले तरीके से सामने ला दिया है कि आरएसएस-भाजपा नाम भले अखंड भारत का लेते हों, वास्तव में काम भारत को खंडित करने का ही करते हैं। यह अखंड भारत के पाखंडी नारे के तले संघ-भाजपा के वास्तव में विभाजनकारी आचरण का ही नतीजा है कि आज वह लद्दाख अस्तंषी की आग में जल रहा है, जिसके बारे में स्वतंत्र भारत की राजनीति और इतिहास की जरा सी भी जानकारी रखने वाला हरेक व्यक्ति यही कहता नजर आता है कि यह तो देश का सबसे शांत और सबसे प्रेम करने वाला हिस्सा था। और देश के सैन्य इतिहास की जरा सी जानकारी रखने वाला हरेक व्यक्ति इसमें यह जोड़ता नजर आता है कि क्या यह वही लद्दाख है? जिसके लोग,भारतीय सेना का बहुत ही मजबूत सहारा तथा आधार बने रहे हैं।

यह लद्दाख के इसी चरित्र के अनुरूप था, जिसका कुछ न कुछ संबंध यहां की मुख्यतः बौद्ध पृष्ठभूमि से भी है, कि पिछले पांच साल से ज्यादा से लद्दाखियों के विशाल बहुमत का प्रतिनिधित्व करने वाले संगठन, अपनी जनता की पूरी तरह से जनतांत्रिक तथा सर्वथा जायज मांगों को लेकर, लगातार और पूरी तरह से गांधीवादी तरीके से आंदोलन चला रहे थे। नेताओं की तथा बड़े पैमाने पर समुदाय की भी बार-बार की भूख हड़तालें और लेह से लेकर दिल्ली तक की लंबी पदयात्रा, इस आंदोलन की प्रमुख हाई लाइट रही थीं। यह भी संयोग ही नहीं था कि इस आंदोलन के पीछे, राजनीतिक संगठनों से बढ़कर, गैर-राजनीतिक सामाजिक, सामुदायिक संगठनों की ही ताकत ज्यादा थी, जो लेह अपेक्स बांडी और कारगिल डेमोक्रेटिक एलाइंस जैसे ढीले-ढाले किंतु जनतांत्रिक व समावेशी लोकप्रिय मंचों पर एकजुट हुए थे। और इस आंदोलन का नेतृत्व मैगासेसे समेत अनेक अंतरराष्ट्रीय-राष्ट्रीय सम्मानों से सम्मानित और पचासों पेटेंटों के श्रेय से संपन्न, सोमव वांगचुक जैसे समाज तथा पर्यावरण की चिंता करने वाले आविष्कारक तथा उनके साथी कर रहे थे, जिनके जनहित के प्रति समर्पण में कोई सवाल नहीं उठा सकता था।और इस आंदोलन की मांगें क्या थीं? और

मांगों से पहले, इनके उठाए जाने के इतिहास पर भी एक नजर डाल लेना उपयोगी होगा। अब से छः-साल पहले, 2019 के अगस्त में जब नरेंद्र मोदी की सरकार ने, संघ-भाजपा के मुस्लिम-विरोधी सांप्रदायिक एजेंडा के हिस्से के तौर पर, जम्मू-कश्मीर राज्य की अस्मिता पर घातक प्रहार किया था और उसके नाम-मात्र के विशेष दर्जे को ही नहीं, राज्य के ही दर्जे को भी खत्म करते हुए, उसे तोड़कर दो केंद्र-शासित प्रदेशों-जम्मू-कश्मीर तथा लद्दाख-में घटा दिया था, तब लद्दाख के लोग कुछ समय तक तो इसी मुगालते में रहे, जिसके लिए उन्हें सपने भी दिखाए गए थे कि यह कदम, अविभाजित जम्मू-कश्मीर में लद्दाख को जितनी स्वायत्तता हासिल थी, उससे ज्यादा स्वायत्तता दिला देगा। लेकिन, जल्द ही उनका यह भ्रम टूट गया, जब उन्होंने यह पाया कि संघ-भाजपा के राज में केंद्र शासित प्रदेश का अर्थ, शब्दशः पूरी तरह से दिल्ली से ही शासित होना है और यह उनकी स्वायत्तता का पूरी तरह से अंत है।ललित सुरजन की कलम से - आर्डेबर के विरुद्धलद्दाख जैसे पर्यावरणीय दृष्टि से नाजुक और मुख्यतः आदिवासी आबादी वाले प्रदेश के लिए स्वायत्तता का यह अंत इसलिए और भी खतरनाक हो जाता है कि दिल्ली के वर्तमान शासन की विकास की संकल्पना, संक्षेप में दरबारी इजारेदारों द्वारा प्राकृतिक संसाधनों की अंधाधुंध लूट का रास्ता खोलने की ही संकल्पना है। लद्दाख का बर्फ का रेगिस्तान स्वाभाविक रूप से उनकी नजरों में ऐसी लूट का खुला मैदान है। इसके लक्षण भी जल्द ही दिखाई देने लगे, जब सोलर पार्क के नाम पर एक शहर के बराबर जमीन दिल्ली के शासकों के चहेते इजारेदार, अडानी को सौंपने और इसी तरह से जमीन के बंटवारे की तैयारियां शुरू हो गयीं, जिससे पशुचारण समेत इन आदिवासियों का परंपरागत जीवन ही खतरे में पड़ जाने वाला था।संयुक्त राष्ट्र सत्र से प्रधानमंत्री मोदी की अनुपस्थिति और भारतीय विदेश नीति की दुविधा

इस खतरे के सामने केंद्र शासित प्रदेश के दर्जे से लद्दाख के लोगों का बड़ी तेजी से मोहभंग हुआ और राज्य के दर्जे की मांग उभरकर सामने आ गयी। इस मांग को इस तथ्य से और बल मिला कि जम्मू-कश्मीर के राज्य का दर्जा बहाल किए जाने का वादा मोदी सरकार फिर भी जब-जब दोहराती रही है, लद्दाख को इस वादे से अलग रखा गया है। यह दूसरी बात है कि सुप्रीम कोर्ट को सामने इसका वादा करने के बावजूद और जम्मू-कश्मीर में विधानसभा के गठन के बाद सभी राजनीतिक पार्टियों द्वारा राज्य के दर्जे की मांग किए जाने के बावजूद, केंद्र सरकार ने अपना वादा पूरा करने के प्रति कोई गंभीरता नहीं दिखाई है।

संपादकीय

गिरफ्तारी पर सवाल

हाल ही में लेह में हिंसा का घटनाक्रम दुर्भाग्यपूर्ण ही कहा जाएगा। लोकतंत्र में अभिव्यक्ति की आजादी तो है लेकिन अराजक होने की अनुमति नहीं दी जा सकती। लेकिन सत्ताधीशों को प्रतिरोध व बेचैनी के निहितार्थों को संवेदनशील ढंग से समझना चाहिए। लद्दाख में जनाक्रोश के कारण समझे जाने चाहिए। कहीं न कहीं लोगों को केंद्रशासित प्रदेश बनने के बाद की आकांक्षाएं फलीभूत होती नजर नहीं आयी। उन्हें लगा कि उनकी भूमि व संसाधन बाहरी दबाव में आ सकते हैं। यही डर है जिसकी वजह से लोग संवैधानिक सुरक्षा की मांग छठी अनुसूची के रूप में करते रहे हैं। पर्यावरणविद् और सामाजिक कार्यकर्ता सोनम वांगचुक लगातार चेतावनी भी रहे हैं कि अस्मिता की अनेकड़ी अस्तंषी को गहरा सकती है। इसको लेकर केंद्र से वांगचुक की अगुवाई में कई दौर की बातचीत भी हुई। कहीं न कहीं अगस्त 2019 में केंद्र शासित प्रदेश बनने के बाद किए वायदों को लेकर छह साल बाद लोगों का सन्न जवाब देने लगा। वांगचुक

इस मुद्दे पर लंबे समय से आंदोलन करते रहे हैं। बीते साल मार्च में वह 21 दिनों के अनशन पर बैठे थे। दिल्ली पदयात्रा के दौरान भी उन्होंने अनशन किया था। उनका आंदोलन अहिंसक ही रहा है। केंद्र से कई मुद्दों पर मतैक्य न होने के बावजूद वे बातचीत के हामी रहे हैं। लेकिन हालिया हिंसा के बाद उनकी गिरफ्तारी को लेकर देश में विपक्षी दलों व जन आंदोलनों से जुड़े लोगों ने सवाल उठाये हैं। उनका मानना है कि लद्दाख के लोगों की चिंताओं पर संवेदनशील ढंग से विचार हो।दरअसल, वांगचुक और लद्दाख के लोगों की चिंता रही है कि यदि शासन में उनकी भागीदारी न रही तो लद्दाख के प्राकृतिक संसाधनों का गलत तरीके से उपयोग हो सकता है। दरअसल, वांगचुक उस छठी अनुसूची के क्रियान्वयन की मांग करते रहे हैं, जिसमें स्वशासन व स्वायत्तता निहित है। पूर्वोत्तर के कई जनजातीय बहुल राज्यों को इसके अंतर्गत संरक्षण मिला हुआ है। सर्वविदित है कि वांगचुक रचनात्मक,



सामाजिक अभियानों व पर्यावरण अभियानों से जुड़े रहे हैं। उनके कुत्रिम ग्लेशियर बनाने के प्रयासों की पूरी दुनिया में चर्चा हुई है। उनके कार्यों की लोकप्रियता का आलम ये रहा है कि उनके रचनात्मक विचारों व शिक्षा पद्धति पर आधारित फिल्म ‘थ्री इंडियट’ देश में हिट

रही। निश्चित ही सख्त धाराओं में उनकी गिरफ्तारी का देश-दुनिया में अच्छा संदेश नहीं जाएगा। इस आशंका से इनकार नहीं किया जा सकता कि उनके आंदोलन व जनाक्रोश का लाभ सियासी रस्साकशी में लगे लोगों ने उठाया हो।

वक्त की जरूरत है कि आंदोलन में शामिल संगठनों को बातचीत की मेज पर लाया जाए। जिससे कारगिल की अस्मिता से जुड़े संवेदनशील मुद्दों को संबोधित किया जा सके। लोकतंत्र में मांगों के समर्थन में जनआंदोलन उसकी खूबसूरती भी है। जिसको लेकर सत्ताधीशों को उदेरता अपमाननी चाहिए। हमारा स्वतंत्रता संग्राम अपने आंदोलनों से ही सशक्त हुआ था। हमें ध्यान रखना चाहिए कि लद्दाख मजज एक चुनावी क्षेत्र नहीं है, पाक-चीन सीमा से सटा यह इलाका सामरिक व सांस्कृतिक दृष्टि से भी संवेदनशील है। यह बात दिल्ली तक सुनी जानी चाहिए।

भारत विभाजन पर एनसीईआरटी के नए मॉड्यूल में सांप्रदायिकता समर्थक सामग्री और झूठ

कक्षा 6 से 8 तक के लिए मॉड्यूल या पठन सामग्री, जैसा कि उन्हें वर्गीकृत किया गया है, की विषय-वस्तु विभाजन के लिए जिम्मेदार लोगों के अफराधी के रूप में वर्णित करती है

कक्षा 6 से 8 तक के लिए मॉड्यूल या पठन सामग्री, जैसा कि उन्हें वर्गीकृत किया गया है, की विषय-वस्तु विभाजन के लिए जिम्मेदार लोगों को विभाजन के अपराधी के रूप में वर्णित करती है। उनमें से एक हैं जिन्ना, जिन्होंने इसकी मांग की थी; फिर कांग्रेस पार्टी, जिसने इसे स्वीकार किया; और माउंटबेटन, जिन्होंने इसे औपचारिक रूप दिया और लागू किया।भारतीय इतिहास कांग्रेस (आईएचसी) ने भारत विभाजन पर एनसीईआरटी के नए मॉड्यूल की आलोचना की है, जिन्हें विभाजन विभीषिका स्मृति दिवस को जीवंत बनाने के लिए विकसित किया गया है। आईएचसी ने आरोप लगाया है कि इन मॉड्यूल में झूठ भरा है जिसका उद्देश्य सांप्रदायिक मंशा को रेखांकित करना है। मॉड्यूल तैयार करने वालों ने कांग्रेस और मुस्लिम लीग पर विभाजन के लिए जिम्मेदार होने का आरोप लगाया है।वे यहीं नहीं रुके। उन्होंने उन उपनिवेशवादियों को दोषमुक्त कर दिया जिन्होंने देश पर कठोर शासन किया, स्वतंत्रता सेनानियों को यातनाएं दीं और उनकी हत्या की और ऐसे किसी भी आंदोलन को कुचल दिया जो ब्रिटिश आकाओं द्वारा की गई ज्यादतियों के खिलाफ जनता को जगा सकता था।मॉड्यूल के निर्माता ब्रिटिश आकाओं के खिलाफ आरोपों को तर्कसंगत बनाने की हद तक चले गए। बात सिर्फ इतनी ही नहीं थी। विभाजन के दिनों में जनता की अत्यधिक पीड़ाओं पर प्रकाश डाला गया, जिनमें सबसे ज्यादा हिंदुओं और सिखों की पीड़ा थी, हालांकि अल्पसंख्यक समुदायों द्वारा किए गए सकारात्मक योगदान का जिक्र तक नहीं किया गया।कक्षा 6 से 8 तक के लिए मॉड्यूल या पठन सामग्री, जैसा कि उन्हें वर्गीकृत किया गया है, की विषय-वस्तु %विभाजन% के लिए जिम्मेदार लोगों को विभाजन के अपराधी के रूप



में वर्णित करती है। उनमें से एक हैं जिन्ना, जिन्होंने इसकी मांग की थी; फिर कांग्रेस पार्टी, जिसने इसे स्वीकार किया; और माउंटबेटन, जिन्होंने इसे औपचारिक रूप दिया और लागू किया। वे यह भी कहते हैं कि अंग्रेजों ने अंत तक भारत को एक बनाए रखने की पूरी कोशिश की। इतिहास को पूरी तरह से पलटते हुए, ये मॉड्यूल न केवल मुस्लिम लीग, बल्कि भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस को भी देश के विभाजन के लिए जिम्मेदार ठहराते हैं। स्वतंत्रता संग्राम के दौरान सांप्रदायिक ताकतों के वफादार रुख के अनुरूप, इन मॉड्यूल्स में ब्रिटिश औपनिवेशिक शासकों को क्लीन चिट दी गई है, आईएचसी ने अपने बयान में कहा। इसमें जिस बात का जिक्र नहीं है, वह है %हिंदुत्व% के प्रतीक वी.डी. सावरकर द्वारा कई साल पहले, 1937 में, हिंदू महासभा को दिए गए अपने अध्यक्षीय भाषण में प्रतिपादित द्वि-राष्ट्र सिद्धांतः %आज भारत को एक एकात्मक और समरूप राष्ट्र नहीं माना जा सकता, बल्कि इसके विपरीत भारत में मुख्य रूप से दो राष्ट्र हैं, हिंदू और मुसलमान%, %इसमें आगे कहा गया है।आईएचसी ने कहा कि यह वास्तव में विडंबना है कि हिंदू सांप्रदायिकों को विभाजन के लिए जिम्मेदार लोगों की सूची में कभी शामिल नहीं किया जाता।इसमें कहा गया है, लेकिन मुख्य दोषियों में

राष्ट्रवादी नेता शामिल बताए जाते हैं, जबकि राष्ट्रीय आंदोलन के सभी वर्गों ने धार्मिक और सांप्रदायिक विभाजन के खिलाफ अथक संघर्ष किया, और इसके महानतम नेता महात्मा गांधी ने इसके लिए अपने प्राणों की आहुति दे दी।मॉड्यूल में यह भी उल्लेख किया गया है कि विभाजन के बाद, कश्मीर एक नई समस्या के रूप में उभरा, जो भारत में पहले कभी नहीं थी, और इसने देश की विदेश नीति के लिए एक चुनौती पैदा कर दी। इसमें यह भी बताया गया है कि कुछ देश पाकिस्तान को सहायता देते रहते हैं और कश्मीर मुद्दे के नाम पर भारत पर दबाव बनाते रहते हैं।

आईएचसी ने एनसीईआरटी के विभाजन मॉड्यूल पर भी हमला करते हुए आरोप लगाया है कि वे %स्पष्ट सांप्रदायिक इरादे से झूठ फैलाते हैं, जिससे स्वतंत्रता संग्राम की सामग्री विकृत हो सकती है। यह उन कोमल मन के लिए हानिकारक है जो विकृत तथ्यों से पीड़ित होंगे और इतिहास की हमारी धर्मनिरपेक्ष, वैज्ञानिक समझ से अनभिज्ञ होंगे जो हमारी गौरवशाली परंपराओं का हिस्सा है।आईएचसी ने चेतावनी दी कि हम कभी भी विकृत और ध्ववीकृत इतिहास में विश्वास नहीं करते। लेकिन इस संदर्भ में वीडी सावरकर, हिंदू महासभा और आरएसएस की भूमिका पर ध्यान देना अनिवार्य हो जाता है। आखिरकार, सावरकर ने प्रतिस्पर्धी

सांप्रदायिकता की राजनीति के विकास के लिए सैद्धांतिक ढांचा तैयार किया था। 1923 में, जेल से रिहा होने से लगभग एक साल पहले, उन्होंने एक संक्षिप्त पुस्तक, ईसेंशियल्स ऑफ हिंदुत्व लिखी, जिसमें उन्होंने दावा किया कि पूरा भारत हिंदुओं का है क्योंकि केवल वे ही, न कि मुसलमान या ईसाई, इस क्षेत्र को पवित्र मानते हैं। इस पुस्तक में हिंदुत्व शब्द का शाब्दिक अर्थ हिंदूपन था—एक राजनीतिक रूप से जागरूक हिंदू धर्म के रूप में जो हिंदुओं को एक राष्ट्रीयता के रूप में संगठित करना चाहता था। भारत के मुसलमान और अन्य धार्मिक अल्पसंख्यक उनके राष्ट्र-दृष्टिकोण का हिस्सा नहीं थे।इस पुस्तक में सावरकर के मुसलमानों के विरुद्ध कार्रवाई के आह्वान की भी स्पष्ट प्रतिध्वनि थी, क्योंकि उन्होंने स्पष्ट किया कि ग्यारहवीं शताब्दी में महमूद गजनवी द्वारा सिंधु नदी पार करके भारत पर आक्रमण करने के बाद जीवन और मृत्यु का संघर्ष शुरू हो गया था। उन्होंने लिखा, इस लंबे, उग्र संघर्ष में हमारे लोग स्वयं को हिंदू मानने के प्रति गहन रूप से जागरूक हो गए और एक ऐसे राष्ट्र में विलीन हो गए जिसकी हमारे इतिहास में कोई कल्पना भी नहीं की जा सकती। इस प्रकार, इस पुस्तक ने हिंदुओं को यह विश्वास दिलाने की कोशिश की कि उनके हित ब्रिटिश शासकों की तुलना में मुसलमानों के साथ ज्यादा असंगत हैं। इसने हिंदुओं को विरोध की स्थिति में धकेल दिया, और उनकी प्रबल ब्रिटिश-विरोधी भावना को मुस्लिम-विरोधी कार्रवाई में बदलने की कोशिश की—एक ऐसा रुख जो औपनिवेशिक सरकार की फूट डालो और राज करो की रणनीतिक नीति के अनुकूल था।दिसंबर 1937 में, हिंदू महासभा के अध्यक्ष के रूप में सभा में उन्होंने कहा- भारत में दो विरोधी राष्ट्र एक-दूसरे के साथ-साथ रह रहे हैं। कई बचकाने राजनेता यह मानकर गंभीर भूल करते हैं कि भारत पहले से ही एक सामंजस्यपूर्ण राष्ट्र के रूप में एकीकृत है, या केवल इच्छा मात्र से इसे इस प्रकार एकीकृत किया जा सकता है। [...] आज भारत को एकात्मक और समरूप राष्ट्र नहीं माना जा सकता। इसके विपरीत, भारत में मुख्यतः दो राष्ट्र हैं—हिंदू और मुसलमान।जब सावरकर ने पहली बार द्वि-राष्ट्र सिद्धांत को स्पष्ट शब्दों में प्रस्तुत किया, तो इसने उतनी ही उपहास और कटुता पैदा की। उन्होंने जो निरर्थक और विनाशकारी राजनीतिक रुख अपनाया, उसने अंततः देश में बिगड़ते सांप्रदायिक माहौल को और बढ़ा दिया, खासकर जब मुस्लिम लीग ने इस सूत्र को अपनाया और तीन साल बाद 1940 में भारत के विभाजन की मांग करते हुए एक प्रस्ताव पारित किया।

राष्ट्रपति ने विजय कुमार मल्होत्रा के आवास पर जाकर उन्हें श्रद्धांजलि अर्पित की



एजेंसी नई दिल्ली। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने यहां भारतीय जनता पार्टी के वरिष्ठ नेता दिवंगत विजय कुमार मल्होत्रा के आवास पर जाकर उन्हें श्रद्धांजलि अर्पित की। उन्होंने श्री मल्होत्रा के परिजनों के प्रति अपनी संवेदना भी व्यक्त की। श्री मल्होत्रा का यहां अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान (एम्स) में निधन हो गया। वह 93 वर्ष के थे।

राष्ट्रपति सचिवालय ने सोशल मीडिया प्लेटफार्म एक्स पर एक पोस्ट में कहा, राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने वरिष्ठ नेता विजय कुमार मल्होत्रा के आवास पर जाकर उन्हें श्रद्धांजलि अर्पित की। उन्होंने श्री मल्होत्रा के परिजनों के प्रति अपनी संवेदना भी व्यक्त की। इससे पहले प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने भी दिवंगत नेता के आवास पर जाकर उन्हें श्रद्धांजलि अर्पित की थी।

भारतीय उच्चायोग ने लंदन में गांधी की प्रतिमा से हुई तोड़फोड़ को बताया शर्मनाक, कार्रवाई की मांग

एजेंसी नई दिल्ली। लंदन के टैविस्टॉक स्क्वायर स्थित महात्मा गांधी की प्रतिमा में तोड़फोड़ के बाद भारतीय उच्चायोग ने लंदन हाइकमीशन से इस मामले की जांच की मांग की। भारतीय उच्चायोग ने सोशल मीडिया पोस्ट में लिखा, भारत उच्चायोग लंदन के टैविस्टॉक स्क्वायर स्थित महात्मा गांधी की प्रतिमा के साथ हुई इस शर्मनाक तोड़फोड़ पर गहरा दुःख व्यक्त करता है और इसकी कड़ी निंदा करता है। यह सिर्फ तोड़फोड़ नहीं है, बल्कि अंतर्राष्ट्रीय अहिंसा दिवस से तीन दिन पहले अहिंसा के विचार और महात्मा गांधी की विरासत पर एक हिंसक हमला है। पोस्ट में आगे कहा गया कि लंदन हाई कमीशन ने तत्काल कार्रवाई के लिए स्थानीय अधिकारियों के साथ इस मुद्दे को गंभीरता से उठाया है। हमारी टीम पहले से ही घटनास्थल पर मौजूद है और प्रतिमा को उसके मूल स्वरूप में

पुनर्स्थापित करने के लिए अधिकारियों के साथ समन्वय कर रही है। संयुक्त राष्ट्र ने गांधी जयंती



को अंतर्राष्ट्रीय अहिंसा दिवस के रूप में मनाने का ऐलान किया है। ऐसे में हर साल यहां गांधी जयंती पर महात्मा गांधी की प्रतिमा को पुष्प अर्पित किए जाते हैं। पुष्प अर्पित करने के अलावा महात्मा गांधी की पसंद के गीत और

लीग की मदद से 1968 में कांस्य की बनी इस प्रतिमा को स्थापित किया गया था। यह प्रतिमा महात्मा गांधी के पुराने दिनों की याद दिलाता है, जब वह लंदन के कॉलेज में पढ़ा करते थे।

चुनाव आयोग ने बिहार की अंतिम निर्वाचक सूची की जारी

एजेंसी नई दिल्ली। बिहार में विशेष गहन पुनरीक्षण कार्यक्रम के तहत अंतिम निर्वाचक सूची जारी कर दी गई है। राज्य के सभी पात्र मतदाता अब ऑनलाइन पोर्टल के माध्यम से अपने नाम की जानकारी देख सकते हैं। निर्वाचक सूची का प्रकाशन विधानसभा चुनावों की तैयारियों में एक अहम कदम माना जा रहा है। इससे पहले एक अगस्त को चुनाव आयोग ने विशेष गहन पुनरीक्षण प्रक्रिया के बाद पहला संशोधित वॉटर लिस्ट ड्राफ्ट जारी किया था। क्षेत्रों के 243 विधानसभा क्षेत्रों के 90,817 मतदान केंद्रों के लिए तैयार मतदाता सूची का प्राप्ु मान्यता राजनीतिक दलों के साथ भी शेयर किया गया था। बता दें कि एसआईआर के पहले चरण में कुल 65,64,075

मतदाताओं के नाम हटाए गए थे। इनमें फर्जी मतदाता और मृतक मतदाता शामिल थे। साथ ही, उन लोगों के भी नाम हटाए गए थे, जिनका वोटर आईडी कार्ड किसी अन्य राज्य में बना हुआ है। हालांकि, इस पर कई नेताओं ने आपत्ति भी दर्ज कराई थी, जिस पर जमकर बहस चली थी। खासकर विपक्षी पार्टियों के नेता राहुल गांधी, तेजस्वी यादव, मल्लिकार्जुन खेरा, मनोज झा समेत अन्य नेताओं ने चुनाव आयोग पर निशाना साधा था और फर्जी अर्थध मतदाताओं के नाम हटाए जाने पर जमकर बवाल किया था। इन सबके बीच, यह मुद्दा सुप्रीम कोर्ट तक भी ले जाया गया, जहां एसआईआर की प्रक्रिया में आधार कार्ड को भी एक दस्तावेज के रूप में शामिल किए जाने को लेकर अंतरिम निर्देश जारी किया गया था।

दिल्ली : पीएम मोदी ने सीआर पार्क में मां दुर्गा के किए दर्शन, काली बाड़ी मंदिर में भी की पूजा-अर्चना

एजेंसी नई दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने मंगलवार को अष्टमी के शुभ अवसर पर दक्षिण दिल्ली के चित्तरंजन पार्क स्थित प्रतिष्ठित काली मंदिर में दुर्गा पूजा समारोह में हिस्सा लिया। उन्होंने मां दुर्गा की पूजा-अर्चना की।

राजधानी में हर साल सीआर पार्क दुर्गा पूजा में भव्य पंडल, जीवंत सांस्कृतिक कार्यक्रम और धार्मिक अनुष्ठान आयोजित किए जाते हैं, जिसमें दिल्ली-एनसीआर समेत दूर-दूर से हजारों श्रद्धालु माता के दर्शन करने आते हैं। सीआर पार्क स्थित काली मंदिर परिसर, जिसकी स्थापना 1970 के दशक में हुई थी, शहर के बंगाली समुदाय के लिए एक आध्यात्मिक और सांस्कृतिक केंद्र माना जाता है। बता दें कि पीएम मोदी के दौर से पहले विशेष सुरक्षा समूह (एसपीजी) की एक टीम ने सोमवार को क्षेत्र की सुरक्षा व्यवस्था को अकालन किया था। सुरक्षा प्रोटोकॉल के तहत स्थानीय निवासियों को कार्यक्रम स्थल की ओर जाने वाली

मुख्य सड़कों पर खड़े सभी वाहनों को हटाने का निर्देश दिया गया।इस बीच, दिल्ली यातायात पुलिस ने उत्सव के दौरान होने वाली भीड़ के महेनजर सीआर पार्क और उसके आसपास



यातायात में महत्वपूर्ण व्यवधान की चेतावनी देते हुए एक एडवाइज़री जारी की। इसके मुताबिक, आउटर रिंग रोड (विशेषकर पंचशील और ग्रेटर कैलाश के बीच के हिस्से), लाल बहादुर शास्त्री मार्ग, जेबी टोटी मार्ग, इंद मोहन भारद्वाज मार्ग और सीआर पार्क मेन रोड सहित प्रमुख मुख्य सड़कों पर भारी जाम की संभावना जताई है। यह भी संकेत दिया गया है कि गुरुद्वारा रोड,

स्थानों से रूट डायवर्ट रहेंगे। हल्के और भारी मालवाहक वाहनों को इसी के अनुसार पुनर्निर्देशित किया जाएगा।यात्रियों को असुविधा से बचने के लिए एमजी रोड, अरविंदो मार्ग, मथुरा रोड, लाला लाजपत रायरोड और महलीली-बदरपुर रोड जैसी वैकल्पिक सड़कों का उपयोग करने की सलाह दी गई है। ये प्रतिबंध 2 अक्टूबर तक लागू रहने की उम्मीद है।

चैतन्यानंद ने लड़कियों को झांसा देकर एयर होस्टेस बनाने का किया था वादा : दिल्ली पुलिस

एजेंसी नई दिल्ली। लड़कियों के यौन शोषण के मामले में गिरफ्तार आरोपी बाबा चैतन्यानंद से दिल्ली पुलिस की पूछताछ जारी है। पुलिस जांच में बाबा के मोबाइल फोन से लड़कियों की कई ऐसी तस्वीरें मिली हैं, जो चोरी-छिपे खींची गई लगती हैं। दिल्ली पुलिस ने बताया कि बाबा ने नौकरी दिलाने का झांसा देकर लड़कियों से बातचीत की। खासतौर पर एयरलाइंस में एयर होस्टेस बनाने का वादा कर उन्हें फंसाया गया। आरोपी बाबा ने अपने ऑफिस को स्वीट रूम की तरह सजाया था, जहां लड़कियों को टॉचर और छेड़खानी का शिकार होना पड़ा। बाबा योग करती लड़कियों को वीडियो और फोटो सेंड करने के लिए बोलता था।

लड़कियों को लुभाने के लिए ज्वेलरी गिफ्ट देता था। चैतन्यानंद अनुसार, तीनों आपस में बहन लगती हैं। मोबाइल फोन की जांच



पर तीन लड़कियों ने आरोप लगाया था। पुलिस उन तीनों लड़कियों से पूछताछ कर रही है। जानकारी के

में मिली चैट से पता चला है कि बीते गुरुवार और शुक्रवार को भी बाबा लड़कियों से संपर्क में था।

वीरेंद्र सचदेवा ने विजय कुमार मल्होत्रा के निधन पर जताया शोक

एजेंसी नई दिल्ली। भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के वरिष्ठ नेता और दिल्ली भाजपा के प्रथम अध्यक्ष प्रो. विजय कुमार मल्होत्रा का 94 वर्ष की आयु में निधन हो गया। उनके निधन पर दिल्ली प्रदेश भाजपा अध्यक्ष वीरेंद्र सचदेवा ने गहरा शोक व्यक्त करते हुए कहा कि मल्होत्रा का जीवन सादगी, निष्ठा और जनसेवा को समर्पित रहा। सचदेवा ने एक बयान में कहा कि जनसंघ काल से ही प्रो. मल्होत्रा ने दिल्ली में संगठन और संघ की विचारधारा के विस्तार के लिए ऐतिहासिक कार्य किया। उनका जीवन हम सभी भाजपा कार्यकर्ताओं के लिए सदैव प्रेरणादायक रहा है और आगे भी प्रेरणा देता रहेगा। सचदेवा ने प्रो. मल्होत्रा को दिल्ली का <प्रथम विकास पुरुष> बताते हुए कहा कि उनके प्रयासों से राजधानी को आधुनिक विकास की दिशा मिली। उन्होंने यह दिलाया कि पटेल नगर को मोती नगर से जोड़ने वाला दिल्ली का पहला फ्लाईओवर प्रो. मल्होत्रा जी के



मुख्य कार्यकारी पार्षद के कार्यकाल (1967-71) में ही बनवाया गया था। प्रदेश भाजपा अध्यक्ष ने कहा कि पार्टी

परिवार उनके निधन को अपूरणीय क्षति मानता है और इस कठिन घड़ी में हम सब उनकी स्मृतियों को नमन करते हैं।

‘तेज दिमाग के लिए आयुर्वेदिक सुपरफूड्स’ विषय पर डीयू में आयोजित हुई आचारशाला

एजेंसी नई दिल्ली। दिल्ली विश्वविद्यालय के अधिष्ठाता छात्र कल्याण कार्यालय द्वारा तेज दिमाग के लिए आयुर्वेदिक सुपरफूड्स विषय पर कुलपति प्रो. योगेश सिंह की नेतृत्व में सत्यकाम भवन में आचारशाला का आयोजन किया गया। इस अवसर पर मिरांडा हाउस की प्राचार्या प्रो. विजय लक्ष्मी नंदा को उनके उत्कृष्ट शैक्षणिक कार्यों के आयोजन में महती योगदान हेतु प्रशंसा-पत्र प्रदान किया गया। अधिष्ठाता छात्र कल्याण प्रो. रंजन कुमार त्रिपाठी ने अपने स्वागत वक्तव्य में तेज दिमाग के लिए आयुर्वेदिक सुपरफूड्स विषय की विस्तृत रूपरेखा प्रस्तुत की। साथ ही उन्होंने अपनी डीएसडब्ल्यू टीम के सहयोग की सराहना की। सुप्रसिद्ध

आयुर्वेदिक चिकित्सक डॉ. रीना आरोड़ा (बी.ए.एम.एस.) ने कहा कि पित्त, कफ और वात त्रिदोष का

बलिक मस्तिष्क को भी सशक्त बनाता है। उन्होंने यह भी कहा कि प्रत्येक व्यक्ति की आवश्यकताएं



असंतुलन, धातुओं और पाचन तंत्र की कमजोरी तथा विरुद्ध आहार अस्वस्थता के प्रमुख कारण हैं। उन्होंने दैनिक आहार की शुद्धि और संतुलन को आवश्यक बताते हुए कहा कि सही आहार न केवल शरीर

भिन्न होती हैं और आयुर्वेद में शरीर की परीक्षा करके ही उचित उपचार संभव है।उन्होंने विद्यार्थियों को सावधान करते हुए कहा कि बिना आयुर्वेदाचार्य से परामर्श कोई भी आहार-विधान अपनाना उचित नहीं है

जयपुर/झरोखा

युवा कांग्रेस ने राहुल गांधी को धमकी देने के मामले में ऑनलाइन शिकायत दर्ज कराई

एजेंसी नई दिल्ली। भारतीय युवा कांग्रेस ने कांग्रेस नेता राहुल गांधी को कथित तौर पर गोली मारने की धमकी देने संबंधी के मामले में दिल्ली के तुगलक रोड थाने में ऑनलाइन एफआईआर दर्ज कराई है। यु्थ कांग्रेस के लीगल डिपार्टमेंट के राष्ट्रीय चेयरमैन रूपेश भदौरिया ने शनिवार को हिन्दुस्थान समाचार से बातचीत में कहा कि वह अपनी लीगल टीम के साथ तुगलक रोड थाने पहुंचे थे, लेकिन दिल्ली पुलिस ने उनकी लिखित शिकायत दर्ज करने से इनकार कर दिया। इसके बाद उन्होंने दिल्ली पुलिस आयुक्त, विशेष आयुक्त और एसीपी तुगलक रोड को ऑनलाइन शिकायत भेजी है। उन्होंने कि अगर पुलिस इस मामले में कार्रवाई नहीं करती है, तो वह जल्द ही सीआरपीसी की धारा 156(3) के तहत न्यायालय का रुख करेंगे। भदौरिया ने कहा इस संबंध में न्यूज ब्रॉडकास्टर्स एंड डिजिटल स्टैंडर्ड्स अश्वारिठी (एनडीबीएसए) में भी शिकायत दर्ज कराई गई है, क्योंकि यह बयान टीवी चैनलों पर प्रसारित किया गया था। भदौरिया ने कहा कि दिल्ली पुलिस पहले से ही मानसिक रूप से यह तय कर चुकी थी कि वह इस मामले में कोई शिकायत दर्ज नहीं करेंगे। पुलिस इस मामले को दबाने की कोशिश कर रही है, लेकिन हम पीछे नहीं हटेंगे। न्यायिक प्रक्रिया के माध्यम से कार्रवाई करावाई जाएगी।

केंद्रीय मंत्री डॉ. जितेंद्र सिंह से मिले राजीव चंद्रशेखर, केरल से जुड़ी केंद्रीय परियोजनाओं की चर्चा

नई दिल्ली। केंद्रीय विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी मंत्रालय के केंद्रीय राज्य मंत्री डॉ. जितेंद्र सिंह से पूर्व केंद्रीय मंत्री और केरल भाजपा प्रदेश अध्यक्ष राजीव चंद्रशेखर ने मुलाकात की। यह बैठक केंद्रीय परियोजनाओं और केरल से जुड़े विभिन्न विषयों पर चर्चा के लिए आयोजित की गई। डॉ. जितेंद्र सिंह ने इस मुलाकात को लेकर सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर लिखा- राजीव चंद्रशेखर ने केरल राज्य से संबंधित केंद्रीय योजनाओं और अन्य मुद्दों पर बातचीत की। अपने समृद्ध अनुभव और विद्वत्तापूर्ण पृष्ठभूमि के साथ राजीव चंद्रशेखर इस क्षेत्र और यहां के लोगों के विकास में अहम भूमिका निभा रहे हैं। बैठक के दौरान केरल में चल रही परियोजनाओं की प्रगति और राज्य के हितों से जुड़े संभावित विषयों पर विचार-विमर्श हुआ।



बेटी की शादी करने के लिए रची झूठी साजिश, गिरफ्तार

नई दिल्ली। उत्तर पश्चिमी जिले के केशवपुर इलाके में बेटी की शादी करने के लिए निजी कंपनी के कर्मचारी ने लूट की झूठी साजिश रच दी। पुलिस को कॉल कर उसने बताया कि दो बदमाशों ने जबनर उससे 10 लाख रुपये और उसकी सोने की चेन लूट ली। पुलिस ने जांच की तो हकीकत का खुलासा हो गया। आरोपित की निशानदेही पर उसके घर से 10 लाख रुपये बरामद कर उसे हिरासत में ले लिया गया। पकड़े गए आरोपित की पहचान गुरदेव सिंह (54) के रूप में हुई है। पूछताछ में आरोपित ने बताया है कि उसने मजबूर होकर वादात को अंजाम दिया। उत्तर-पश्चिम जिला के पुलिस उपायुक्त भीम सिंह ने बताया कि इम्पेक्स कंपनी में कलेक्शन एजेंट का काम करने वाले गुरदेव सिंह ने 10 लाख रुपये लूट की सूचना पुलिस को दी थी। सूचना मिलते ही पुलिस रेलवे ओवर ब्रिज, प्रेमबारी पुल पर पहुंची तो शिकायतकर्ता पुलिस को वहां मिला। गुरदेव सिंह ने बताया कि मालिक बिरन चोपड़ा के कहने पर करोल बाग से उसने पैमेंट ली थी। करीब 1.30 बजे वह निकला। इस बीच वह कंपनी की ओर जाने लगा। रेलवे ओवर ब्रिज पर करीब 3.50 बजे पहुंचने पर दो अज्ञात युवकों ने उसकी स्कूटी को ओवरटेक कर गिरा दिया। बाद में वह जबनर कैश और उसकी सोने की चेन लूटकर फरार हो गए।

ठगी के मामले में दो आरोपित गिरफ्तार

नई दिल्ली। इंडियो एयरलाइंस में नौकरी दिलवाने का झांसा देकर ठगी करने वाले दो लोगों को उत्तरी जिला के साब्रर थाना पुलिस ने गिरफ्तार किया है। आरोपितों की पहचान सेक्टर-55, गोची, फरीदाबाद निवासी आजाद खान (25) और जीवन नगर, फरीदाबाद निवासी अजय (30) के रूप में हुई है। आरोपितों के पास से वारदात में इस्तेमाल एक मोबाइल फोन भी बरामद किया गया। छानबीन के दौरान पुलिस को पता चला है कि आरोपित फेंसबुक पर नौकरी लावाने का फर्जी प्रचार करते थे। बेरोजगार युवक-युवतियां जब इनको कॉल करते थे तो आरोपित फॉर्म, यूनिफॉर्म समेत अन्य चार्ज के नाम पर मोटी रकम वसूल कर लेते थे। पुलिस पकड़े गए आरोपितों से पूछताछ कर मामले की छानबीन कर रही है। उत्तरी जिला पुलिस उपायुक्त राजा बाठिया ने बताया कि रोहित यादव (18) नामक युवक ने एनसीआरपी पॉर्टल पर 24100 रुपये ठगी की एक शिकायत दी थी। पोंडित ने बताया कि उसने फेंसबुक पर इंडियो एयरलाइंस पर जाँब का एक विज्ञापन देखा था। उसमें एक नंबर दिया गया था। पोंडित ने उस नंबर पर कॉल किया। उस समय फोन नहीं उठा, लेकिन बाद में एक अन्य नंबर से कॉल आया।

लद्दाख हिंसा: केंद्र के साथ बातचीत के लिए केडीए ने रखी शर्त, न्यायिक जांच और गिरफ्तारी रद्द करने की मांग

एजेंसी नई दिल्ली।लद्दाख में हालिया हिंसा के बाद केंद्र सरकार की उ चउस्तरीय समिति के साथ बातचीत को लेकर करगिल डेमोक्रेटिक अलायंस (केडीए) ने गृह मंत्रालय द्वारा बुलाई गई बातचीत में हिस्सा नहीं लेने की घोषणा की है। इससे पहले लेह एपेक्स बॉडी (एलएबी) भी बातचीत से दूरी बनाने की घोषणा कर चुकी है। केडीए के वरिष्ठ नेता अस्मगर अली करबलाई ने एक प्रेस वार्ता में कहा कि केडीए की टीम दिल्ली में प्रीपरेटरी मीटिंग के लिए आई थी और इस दौर से पहले एलएबी के को-चेयरमैन से बातचीत हुई थी। लेकिन लद्दाख में हालत बिगड़ने और मारे गए लोगों के अंतिम संस्कार तक की अनुमति न दिए जाने के विरोध में एलएबी ने गिंगिय लिया कि जब तक न्यायिक जांच नहीं होती और गिरफ्तार किए गए लोगों को रिहा नहीं किया जाता, तब तक वह किसी बातचीत में शामिल नहीं होंगे। करबलाई ने कहा कि एलएबी की इस स्थिति का केडीए समर्थन करता है और

हम भी 6 अक्टूबर को होने वाली बातचीत में हिस्सा नहीं लेंगे जब तक गिरफ्तारियां बंद नहीं होतीं, गिरफ्तार लोगों को रिहा नहीं किया जाता और



कार्यकर्ताओं पर लगाए गए आरोप वापस नहीं लिए जाते। इससे पहले लेह एपेक्स बॉडी के अध्यक्ष थुपस्तान छेवांग ने भी प्रेस से कहा था कि लद्दाख में शांति बहाली से पहले किसी भी तरह की बातचीत नहीं हो सकती। उल्लेखनीय है कि रा'य का दर्जा और लद्दाख को संविधान की छठी अनुसूची में शामिल करने की अगल आंदोलन में शामिल करने की मांग को लेकर एलएबी ने 24 सितंबर को बंद बुलाया

था। बंद के दौरान हुई हिंसा में 4 लोगों की मौत हो गई थी और करीब 90 लोग घायल हुए थे। आंदोलन में भाग लेने के कारण प्रमुख पर्यावरण कार्यकर्ता सोम



वांगचुक को राष्ट्रीय सुरक्षा कानून (रासुका) के तहत गिरफ्तार किया गया है। एलएबी ने अब वांगचुक समेत अन्य कार्यकर्ताओं के खिलाफ दर्ज सभी मुकदमे वापस लेने की मांग की है। केंद्र सरकार ने इससे पहले 20 सितंबर को एलएबी और केडीए को फिर से बातचीत के लिए आमंत्रित किया था, जिसकी अगली बैठक 6 अक्टूबर को दिल्ली में प्रस्तावित है।

ड्डआईपीयू के प्रो. गगन दीप शर्मा को मिला क्लेरिवेट इंडिया रिसर्च एक्सीलेंस साइटेशन अवार्ड

एजेंसी नई दिल्ली। गुरु गोबिंद सिंह इंद्रप्रस्थ विश्वविद्यालय (आईपीयू) के प्रबंधन विभाग के प्रोफेसर और ग्लोबल रैंकिंग एंड कोलेबोरेशन सेल (जीआरसीसी) के अध्यक्ष प्रो. गगन दीप शर्मा को प्रतिष्ठित क्लेरिवेट इंडिया रिसर्च एक्सीलेंस

साइटेशन अवार्ड 2025 से सम्मानित किया गया। यह पुरस्कार उन्हें सामाजिक विज्ञान, कला और मानविकी श्रेणी में उनकी उत्कृष्ट शोध उपलब्धियों के लिए प्रदान किया गया है। प्रो. शर्मा इस वर्ष किसी राज्य सार्वजनिक विश्वविद्यालय से इस सम्मान को

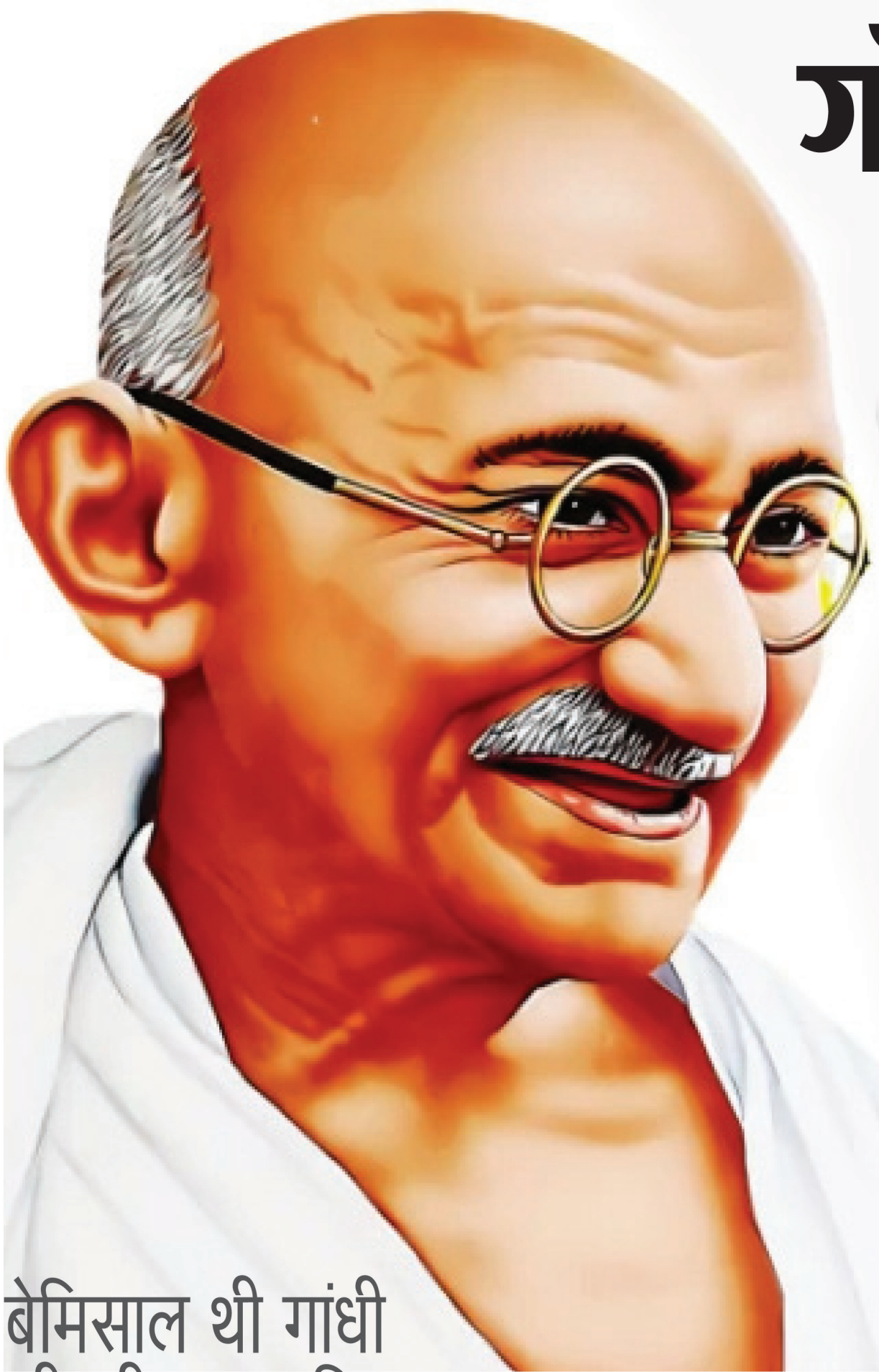
प्राप्त करने वाले एकमात्र शोधकर्ता हैं। यह उपलब्धि उनकी व्यक्तितगत उत्कृष्टता के साथ-साथ आईपीयू की वैश्विक शोध पारिस्थितिकी तंत्र में बढ़ती प्रतिष्ठा की रेखांकित करती है। उनके शोध का मुख्य फोकस स्थिरता, वित्त और नवचचार पर है, जिसमें समावेशी विकास पर विशेष



जोर दिया गया है। पुरस्कार प्राप्त करने के बाद प्रो. शर्मा ने कहा, यह सम्मान मेरे लिए एक जिम्मेदारी है। यह जिम्मेदारी सुनिश्चित करती है कि मेरा शोध समाज के अंतिम व्यक्ति की समस्याओं का समाधान करता रहे। आईपीयू के कुलपति प्रो. (डॉ.) महेश वर्मा ने इस उपलब्धि

पर प्रसन्नता व्यक्त करते हुए कहा कि यह सम्मान विश्वविद्यालय की वैश्विक स्तर पर प्रतिस्पर्धी और सामाजिक रूप से प्रासंगिक शोध को बढ़ावा देने की प्रतिबद्धता को दर्शाता है। प्रो. शर्मा की यह उपलब्धि हम सभी के लिए गर्व का विषय है।

गाँधीवाद जीने की कला सिखाता है



बेमिसाल थी गांधी जी की स्पष्टवादिता और सत्यनिष्ठा

राष्ट्रपिता महात्मा गांधी जीवन पर्यन्त देशवासियों के लिए आदर्श नायक बने रहे। स्वतंत्रता आन्दोलन में उनके अविस्मरणीय योगदान से तो पूरी दुनिया परिचित है। अहिंसा की राह पर चलते हुए भारत को ब्रिटिश शासन से मुक्ति दिलाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाने वाले गांधी जी ने अपनी स्पष्टवादिता और अहिंसक विचारों से पूरी दुनिया को प्रभावित किया था। उन्हीं के द्वारा दिखलाए मार्ग पर चलते हुए लाखों-करोड़ों भारतीय देश को अंग्रेजों की दासता से मुक्त कराने के लिए स्वतंत्रता संग्राम का हिस्सा बने थे। राष्ट्रपिता महात्मा गांधी की ईमानदारी, स्पष्टवादिता, सत्यनिष्ठा और शिष्टता के अनेक किस्से प्रचलित हैं। इन्हीं में कुछ ऐसे प्रसंग भी सामने आते हैं, जब उनकी बातें सुनकर उनके सम्पर्क में आए व्यक्ति का हृदय परिवर्तन हो जाता था। दरअसल लोगों के दिलोदिमाग पर उनकी बातों का जादू सा असर होता था।

गांधी जी एक बार श्रीमती सरोजिनी नायडू के साथ बैडमिंटन खेल रहे थे। श्रीमती नायडू के दाएं हाथ में चोट लगी थी। यह देख गांधी जी ने भी अपने बाएं हाथ में ही रैकेट पकड़ लिया। श्रीमती नायडू का ध्यान जब उस ओर गया तो वह खिलखिलाकर हंस पड़ी और कहने लगी, ‘‘आपको तो यह भी नहीं पता कि रैकेट कौनसे हाथ में पकड़ा जाता है?’’ बापू ने जवाब दिया, ‘‘आपने भी तो अपने दाएं हाथ में चोट लगी होने के कारण बाएं हाथ में रैकेट पकड़ा हुआ है और मैं किसी की भी मजबूरी का फायदा नहीं उठाना चाहता। अगर आप मजबूरी के कारण दाएं हाथ से रैकेट पकड़कर नहीं खेल सकती तो मैं अपने दाएं हाथ का फायदा क्यों उठाऊँ?’’

आजादी की लड़ाई के दिनों में गांधी जी सश्रम कारावास की सजा भुगत रहे थे। एक दिन जब उनके हिस्से का सारा काम समाप्त हो गया तो वे खाली समय में एक ओर बैठकर एक पुस्तक पढ़ने लगे। तभी जेल का एक संतरी दौड़ा-दौड़ा उनके पास आया और उनसे कहने लगा कि जेलर साहब जेल का मुआयना करने इसी ओर आ रहे हैं, इसलिए वो उनको दिखाने के लिए कुछ न कुछ काम करते रहें लेकिन गांधी जी ने ऐसा करने से साफ इन्कार कर दिया और कहा, ‘‘इससे तो बेहतर होगा कि मुझे ऐसे स्थान पर काम करने के लिए भेजा जाए, जहां काम इतना अधिक काम हो कि उसे समय से पहले पूरा किया ही न जा सके।’’

एक बार गांधी जी चम्पारण से बतिया रेलगाड़ी में सफर कर रहे थे। गाड़ी में अधिक भीड़ न होने के कारण वे तीसरे दर्जे के डिब्बे में जाकर एक बर्थ पर लेट गए। अगले स्टेशन पर जब रेलगाड़ी रूकी तो एक किसान उस डिब्बे में चढ़ा। उसने बर्थ पर लेटे हुए गांधी जी को अपशब्द बोलते हुए कहा, ‘‘यहां से खड़े हो जाओ। बर्थ पर ऐसे पसरे पड़े हो, जैसे यह रेलगाड़ी तुम्हारे बाप की है।’’ किसान को बिना कुछ कहे गांधी जी चुपचाप उठकर एक ओर बैठ गए। तभी किसान बर्थ पर आराम से बैठते हुए मस्ती में गाने लगा, ‘‘धन-धन गांधी जी महाराज! दुःखियों का दुःख मिटाने वाले गांधी जी ...।’’

दिलचस्प बात यह थी कि वह किसान कहीं और नहीं बल्कि बतिया में गांधी जी के दर्शनों के लिए ही जा रहा था लेकिन इससे पहले उसने गांधी जी को कभी देखा नहीं था, इसलिए रेलगाड़ी में उन्हें पहचान नहीं सका। बतिया पहुंचने पर स्टेशन पर जब हजारों लोगों की भीड़ ने गांधी जी का स्वागत किया, तब उस किसान को वास्तविकता का अहसास हुआ और शर्म के मारे उसकी नजरें झुक गईं। वह गांधी जी के चरणों में गिरकर उनसे क्षमायाचना करने लगा। गांधी जी ने उसे उठाकर प्रेमपूर्वक अपने गले से लगा लिया।

ऐसी ही एक घटना दक्षिण अफ्रीका की है। एक प्रसिद्ध भारतीय व्यापारी रूस्तम जी गांधी जी के मुक्किल और निकटतम सहयोगी भी थे। वे अपने सभी कार्य अक्सर गांधी जी की सलाह के अनुसार ही किया करते थे। उस दौरान कलकत्ता और बम्बई से उनका काफी सामान आता था, जिस पर वे प्रायः चुंगी चुराया करते थे। उन्होंने यह बात सदैव गांधी जी से छिपाकर रखी। एक बार चुंगी अधिकारियों द्वारा रूस्तम जी की यह चोरी पकड़ ली गई और उनके जेल जाने की नौबत आ गई। वे दौड़े-दौड़े गांधी जी के पास पहुंचे और उन्हें पूरा वृत्तांत सुना डाला। गांधी जी ने उनकी पूरी बात गौर से सुनने के बाद उन्हें उनके अपराध के लिए कड़ी फटकार लगाई और सलाह दी कि तुम सीधे चुंगी अधिकारियों के पास जाकर अपना अपराध स्वयं स्वीकार कर लो, फिर भले ही इससे तुम्हें जेल की सजा ही क्यों न हो जाए।

गांधी जी की सलाह मानकर रूस्तम जी उसी समय चुंगी अधिकारियों के पास पहुंचे और अपना अपराध स्वीकारते हुए भविष्य में फिर कभी ऐसा अपराध नहीं करने का वचन दिया। चुंगी अधिकारी उनकी स्पष्टवादिता से काफी प्रसन्न हुए और उन्होंने उन पर मुकदमा चलाने का विचार त्यागकर उनसे चुंगी की बकाया राशि से दोगुनी राशि वसूलकर उन्हें छोड़ दिया। ऐसा था गांधी जी का बातों का लोगों के दिलोदिमाग पर जादुई असर।

‘गांधीवाद’ महात्मा गांधी के आदर्शों, विश्वासों एवं दर्शन से उद्भूत विचारों के संग्रह को कहा जाता है, जो स्वतंत्रता संग्राम के सबसे बड़े राजनैतिक एवं आध्यात्मिक नेताओं में से थे। यह ऐसे उन सभी विचारों का एक समेकित रूप है जो गांधीजी ने जीवन पर्यंत जिया था।

सत्य एवं आग्रह दोनों ही संस्कृत भाषा के शब्द हैं, जो भारतीय स्वाधीनता संग्राम के दौरान प्रचलित हुआ था, जिसका अर्थ होता है सत्य के प्रति सत्य के माध्यम से आग्रही होना। गांधीवाद के बुनियादी तत्वों में से सत्य सर्वोपरि है। वे मानते थे कि सत्य ही किसी भी राजनैतिक संस्था, सामाजिक संस्थान इत्यादि की धुरी होनी चाहिए। वे अपने किसी भी राजनैतिक निर्णय को लेने से पहले सच्चाई के सिद्धांतों का पालन अवश्य करते थे।

गांधीजी का कहना था ‘मेरे पास दुनियावालों को सिखाने के लिए कुछ भी नया नहीं है। सत्य एवं अहिंसा तो दुनिया में उतने ही पुराने हैं जितने हमारे पर्वत हैं।’ सत्य, अहिंसा, मानवीय स्वतंत्रता, समानता एवं न्याय पर उनकी निष्ठा को उनकी निजी जिंदगी के उदाहरणों से बखूबी समझा जा सकता है।

कहा जाता है कि सत्य की व्याख्या अक्सर वस्तुनिष्ठ नहीं होती। गांधीवाद के अनुसार सत्य के पालन को अक्षरशः नहीं बल्कि आत्मिक सत्य को मानने की सलाह दी गयी है। यदि कोई ईमानदारी- पूर्वक मानता है कि अहिंसा आवश्यक है तो उसे सत्य की रक्षा के रूप में भी इसे स्वीकार करना चाहिए। जब गांधीजी प्रथम विश्वयुद्ध के दौरान स्वदेश लौटे थे तो उन्होंने कहा था कि वे शायद युद्ध में ब्रिटिशों की ओर से भाग लेने में कोई बुराई नहीं मानते। गांधीजी के अनुसार ब्रिटिश साम्राज्य का हिस्सा होते हुए भारतीयों के लिए समान अधिकार की मांग करना और साम्राज्य की सुरक्षा में अपनी भागीदारी न निभाना उचित नहीं होता। वहीं दूसरी तरफ द्वितीय विश्वयुद्ध के समय जापान द्वारा भारत की सीमा के निकट पहुंच जाने पर गांधीजी ने युद्ध में भाग लेने को उचित नहीं माना बल्कि वहां अहिंसा का सहारा लेने की वकालत की है।

अहिंसा का सामान्य अर्थ है ‘हिंसा न करना’। इसका व्यापक अर्थ है – किसी भी प्राणी को तन, मन, कर्म, वचन और वाणी से कोई नुकसान न पहुंचाना। मन में भी किसी का

अहित न सोचना, किसी को कटुवाणी आदि के द्वारा भी पीड़ा न देना तथा कर्म से भी किसी भी अवस्था में, किसी भी प्राणी का कोई नुकसान न करना।

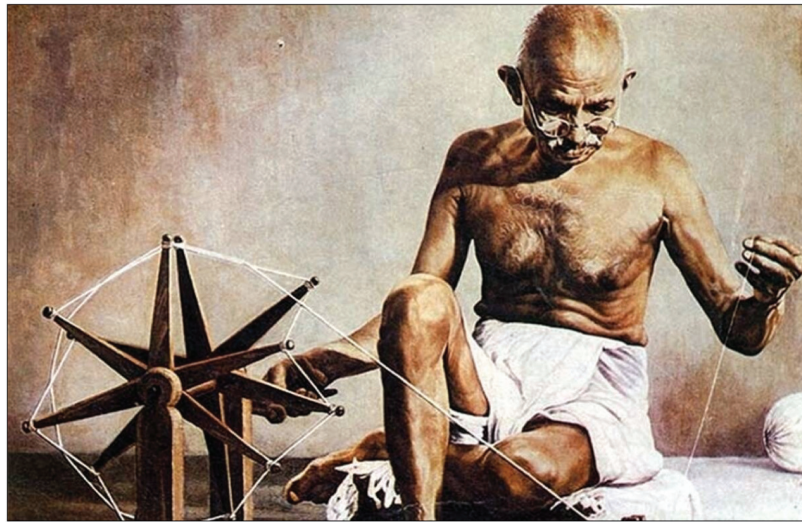
गाँधीजी के अनुसार धर्म और राजनीति को अलग नहीं किया जा सकता है, क्योंकि धर्म मनुष्य को सदाचारी बनने के लिए प्रेरित करता है। स्वधर्म सबका अपना अपना होता है पर धर्म मनुष्य को नैतिक बनाता है। सत्य बोलना, चोरी नहीं करना, परदुःखकारतरता, दूसरों की सहायता करना आदि यही सभी धर्म सिखाते हैं। इन मूल्यों को अपनाने से ही राजनीति सेवा भाव से की जा सकेगी। गाँधीजी आडम्बर को धर्म नहीं मानते और जोर देकर कहते हैं कि मन्दिर में बैठे भगवान मेरे राम नहीं है। स्वामी विवेकानंदजी के दरिद्र नारायण की संकल्पना को अपनाते हुए मानव सेवा को ही वो सच्चा धर्म मानते हैं। वास्तव में उनका विश्वास है कि प्रत्येक प्राणी इश्वर की सन्तान है और ये सत्य है; सत्य ही ईश्वर है।

गांधीजी सामाजिक समानता के समर्थक थे, वे मानवता व सामाजिक समरसता में विश्वास करते थे। वे अंतःकरण की पवित्रता को मानता थे। साम्प्रदायिक सद्भाव व बंधुता उनके जीवन के मुख्य तत्व थे। वास्तव में गांधीवाद का अर्थ है – वे आदर्श जो हमें जीने की कला सिखाते हैं। यह हकीकत है कि गांधीवाद कालजयी है।

अंत में यही कहूंगा कि–

‘गांधी ने फैला दिया सचमुच में उजियारा।

आओ हम समझें ज़रा, गांधीपथ का सार।।’



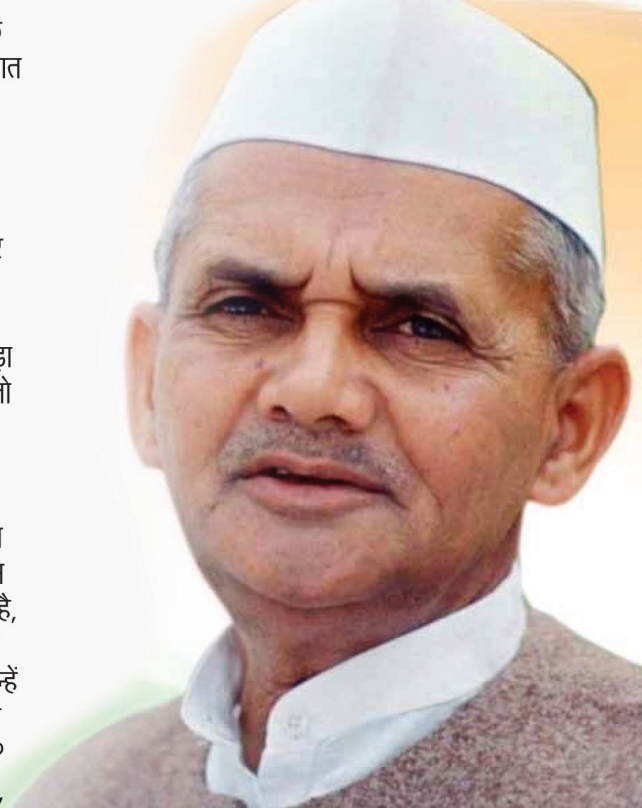
ऐसे थे लाल बहादुर शास्त्री

वर्ष 1964 में प्रधानमंत्री बनने से पहले लाल बहादुर शास्त्री विदेश मंत्री, गृहमंत्री और रेल मंत्री जैसे महत्वपूर्ण पद संभाल चुके थे। ईमानदार छवि और सादगीपूर्ण जीवन जीने वाले लाल बहादुर शास्त्री नैतिकता की मिसाल थे। जब शास्त्री जी प्रधानमंत्री बने, तब उन्हें सरकारी आवास के साथ इंपाला शेवरले कार भी मिली थी लेकिन उसका उपयोग वे बेहद कम किया करते थे। किसी राजकीय अतिथि के आने पर ही वह गाड़ी निकाली जाती थी। एक बार शास्त्री जी के बेटे सुनील शास्त्री किसी निजी कार्य के लिए यही सरकारी कार उनसे बगैर पूछे ले गए और अपना काम पूरा करने के पश्चात् कार चुपचाप लाकर खड़ी कर दी। जब शास्त्री जी को इस बात का पता चला तो उन्होंने ड्राइवर को बुलाकर पूछा कि गाड़ी कितने किलोमीटर चली? ड्राइवर ने बताया कि गाड़ी कुल 14 किलोमीटर चली है। उसी क्षण शास्त्री जी ने उसे निर्देश दिया कि रिकॉर्ड में लिख दो, ‘चौदह किलोमीटर प्राइवेट यूज’। उसके बाद उन्होंने पत्नी ललिता को बुलाकर निर्देश दिया कि निजी कार्य के लिए गाड़ी का इस्तेमाल करने के लिए वह सात पैसे प्रति किलोमीटर की दर से सरकारी कोष में पैसे जमा करवा दें।

प्रधानमंत्री बनने के बाद शास्त्री जी पहली बार अपने घर काशी आ रहे थे, तब पुलिस-प्रशासन उनके स्वागत के लिए चार महीने पहले से ही तैयारियों में जुट गया था। चूंकि उनके घर तक जाने वाली गलियां काफी संकरी थी, जिसके चलते उनकी गाड़ी का वहां तक पहुंचना संभव नहीं था, इसलिए प्रशासन द्वारा वहां तक रास्ता बनाने के लिए गलियों को चौड़ा करने का निर्णय लिया गया। शास्त्री जी को यह पता चला तो उन्होंने तुरंत संदेश भेजा कि गली को चौड़ा करने के लिए कोई भी मकान तोड़ा न जाए, मैं पैदल ही घर जाऊंगा। स्वतंत्रता संग्राम के दौरान 1940 के दशक में लाला लाजपत राय की संस्था ‘सर्वेंट्स ऑफ इंडिया सोसायटी’ द्वारा गरीब पृष्ठभूमि वाले स्वतंत्रता सेनानियों के परिवारों को जीवनयापन हेतु आर्थिक मदद दी जाया करती थी। उसी समय की बात है, जब लाल बहादुर शास्त्री जेल में थे। उन्होंने उस दौरान जेल से ही अपनी पत्नी ललिता को एक पत्र लिखकर पूछा कि उन्हें संस्था से पैसे समय पर मिल रहे हैं या नहीं और क्या इतनी राशि परिवार की आवश्यकताओं की पूर्ति के लिए पर्याप्त है? पत्नी ने उत्तर लिखा कि उन्हें प्रतिमाह पचास रुपये मिलते हैं,

जिसमें से करीब चालीस रुपये ही खर्च हो पाते हैं, शेष राशि वह बचा लेती हैं। पत्नी का यह जवाब मिलने के बाद शास्त्री जी ने संस्था को एक पत्र लिखा, जिसमें उन्होंने धन्यवाद देते हुए कहा कि अगली बार से उनके परिवार को केवल चालीस रुपये ही भेजे जाएं और बचे हुए दस रुपये से किसी और जरूरतमंद की सहायता कर दी जाए।

रेलमंत्री रहते हुए शास्त्री जी एक बार रेल के ए.सी. कोच में सफर कर रहे थे। उस दौरान वे यात्रियों की समस्या जानने के लिए जनरल बोगी में चले गए। वहां उन्होंने अनुभव किया कि यात्रियों को कितनी समस्याओं का सामना करना पड़ता है। इससे वे काफी नाराज हुए और उन्होंने जनरल डिब्बे के यात्रियों को भी सुविधाएं देने का निर्णय लिया। रेल के जनरल डिब्बों में पहली बार पंखा लगवाते हुए रेलों में यात्रियों को खानपान की सुविधा उपलब्ध कराने के लिए पैंट्री की सुविधा भी उन्होंने शुरू करवाई। 2 अक्टूबर 1904 को उत्तर प्रदेश के मुगलसराय में जन्मे भारत के दूसरे प्रधानमंत्री लाल बहादुर शास्त्री की आज हम जयंती मना रहे हैं। उनके बाद कई प्रधानमंत्रियों ने देश की बागडोर संभाली लेकिन उनके जितना सादगी वाला कोई भी दूसरा प्रधानमंत्री देखने को नहीं मिला। सही मायनों में शास्त्री जी को उनकी सादगी, कुशल नेतृत्व और जनकल्याणकारी विचारों के लिए ही स्मरण किया जाता है और सदैव किया भी जाता रहेगा। उनके पदचिह्नों पर चलने का संकल्प लेना ही सच्चे अर्थों में उन्हें हमारी श्रद्धाजलि होगी।



बिजनेस

स्टॉक मार्केट में आनंद राठी के शेयरों की मजबूत लिस्टिंग, मुनाफे में आईपीओ निवेशक

एजेंसी नई दिल्ली। स्टॉक ब्रोकिंग, वेल्थ मैनेजमेंट, इन्वेस्टमेंट बैंकिंग, कमोडिटी ब्रोकिंग और कैपिटल मार्केट लेंडिंग का कारोबार करने वाली कंपनी आनंद राठी शेयर एंड स्टॉक ब्रोकर्स लिमिटेड के शेयरों ने आज स्टॉक मार्केट में मजबूत एंट्री करके अपने आईपीओ निवेशकों को खुश कर दिया। आईपीओ के तहत कंपनी के शेयर 414 रुपये के भाव पर जारी किए गए थे। आज बीएसई और एनएसई पर इसकी लिस्टिंग 4 प्रतिशत से अधिक प्रीमियम के साथ 432.10 रुपये के स्तर पर हुई। लिस्टिंग के बाद लिवाली के सपोर्ट से इस शेयर की चाल में और तेजी आ गई। दिन भर का कारोबार होने के बाद कंपनी के शेयर 445.55 रुपये के स्तर पर बंद हुए। इस तरह पहले दिन के कारोबार में कंपनी के आईपीओ निवेशकों को 7.62 प्रतिशत का मुनाफा हो गया। आनंद राठी शेयर एंड स्टॉक ब्रोकर्स लिमिटेड का 745 करोड़ रुपये का आईपीओ 23 से 25 सितंबर के बीच सम्बक्रिप्शन के लिए खुला था। इस आईपीओ को निवेशकों की ओर से अच्छ रिस्पॉन्स मिला था, जिसके कारण ये ओवरऑल 20.66 गुना सम्बक्राइब हुआ था। इनमें क्रालिफाइड इंस्टीट्यूशनल बायर्स (क्यूआईबी) के लिए रिजर्व पोर्शन 44 गुना सम्बक्राइब हुआ था। नॉन इंस्टीट्यूशनल इन्वेस्टर्स (एनआईआई) के लिए रिजर्व पोशन में 30 गुना सम्बक्रिप्शन आया था। इसी तरह रिटेल इन्वेस्टर्स के लिए रिजर्व पोर्शन 4.8 गुना सम्बक्राइब हो सका था।

शेषसाई टेक्नोलोजीज की मजबूत लिस्टिंग के बाद बना बिकवाली का दबाव, घाटे में आईपीओ निवेशक

नई दिल्ली। बैंकिंग, फाइनेंशियल सर्विसेज और बीमा इंडस्ट्री को पेमेंट सॉल्यूशंस मुहैया कराने वाली कंपनी शेषसाई टेक्नोलोजिज के शेयरों ने आज स्टॉक मार्केट में मजबूत एंट्री की। हालांकि लिस्टिंग के बाद मुनाफा वसूली शुरू हो जाने के कारण कंपनी के आईपीओ निवेशकों की खुशी फीकी पड़ गई। आईपीओ के तहत कंपनी के शेयर 423 रुपये के भाव पर जारी किए गए थे। आज बीएसई पर इसकी लिस्टिंग 3 प्रतिशत प्रीमियम के साथ 436 रुपये के स्तर पर और एनएसई पर 2 प्रतिशत प्रीमियम के साथ 432 रुपये के स्तर पर हुई। लिस्टिंग के बाद लिवाली के सपोर्ट से ये शेयर उछल कर 437.45 रुपये के स्तर तक पहुंचा, लेकिन इसके बाद मुनाफावसूली के चक्कर में बिकवाली शुरू हो जाने के कारण इसकी चाल में गिरावट आ गई। पूरे दिन के कारोबार के बाद कंपनी के शेयर 411.50 रुपये के स्तर पर बंद हुए। इस तरह पहले दिन के कारोबार में कंपनी के आईपीओ निवेशकों को 2.72 प्रतिशत का नुकसान हो गया। शेषसाई टेक्नोलोजिज का 813.07 करोड़ रुपये का आईपीओ 23 से 25 सितंबर के बीच सम्बक्रिप्शन के लिए खुला था। इस आईपीओ को निवेशकों की ओर से शानदार रिस्पॉन्स मिला था, जिसके कारण ये ओवरऑल 69.94 गुना सम्बक्राइब हुआ था।

सोलरवर्ल्ड के शेयरों की मजबूत लिस्टिंग के बाद बना बिकवाली का दबाव

नई दिल्ली। सोलर एनर्जी सेक्टर की कंपनी सोलरवर्ल्ड एनर्जी सॉल्यूशंस के शेयरों ने आज स्टॉक मार्केट में मजबूत एंट्री करके अपने आईपीओ निवेशकों को खुश कर दिया। हालांकि, निवेशकों की खुशी कुछ देर बाद ही तब फीकी पड़ गई, जब बिकवाली शुरू हो जाने के कारण कंपनी के शेयरों में गिरावट का रुख बन गया। आईपीओ के तहत कंपनी के शेयर 351 रुपये के भाव पर जारी किए गए थे। आज बीएसई पर इसकी लिस्टिंग 11 प्रतिशत प्रीमियम के साथ 389 रुपये के स्तर पर और एनएसई पर 10.68 प्रतिशत प्रीमियम के साथ 388.50 रुपये के स्तर पर हुई। लिस्टिंग के बाद मुनाफा वसूली शुरू हो जाने के कारण इस शेयर की चाल में गिरावट आ गई। पूरे दिन का कारोबार होने के बाद कंपनी के शेयर एनएसई पर 323.50 रुपये और बीएसई पर 323.20 रुपये के स्तर पर बंद हुए। इस तरह प्रीमियम लिस्टिंग के बावजूद बिकवाली शुरू हो जाने के कारण पहले दिन के कारोबार में कंपनी के आईपीओ निवेशकों की 7.8 प्रतिशत का नुकसान हो गया। सोलरवर्ल्ड एनर्जी सॉल्यूशंस का 490 करोड़ रुपये का आईपीओ 23 से 25 सितंबर के बीच सम्बक्रिप्शन के लिए खुला था। इस आईपीओ को निवेशकों की ओर से शानदार रिस्पॉन्स मिला था, जिसके कारण ये ओवरऑल 68.49 गुना सम्बक्राइब हुआ था।

भारत को मजबूत जनादेश के साथ आईसीएओ परिषद में दोबारा चुना गया

नई दिल्ली। अंतरराष्ट्रीय नागरिक उड्डयन संगठन (आईसीएओ) की परिषद के भाग II के लिए भारत को तीन साल के लिए पुनः निर्वाचित किया गया है। इस परिषद में अंतरराष्ट्रीय नागरिक हवाई नौवहन के लिए सुविधाओं के प्राधान्य में सबसे बड़ा योगदान देने वाले देश शामिल हैं। नागरिक उड्डयन मंत्रालय ने मंगलवार को एक बयान में बताया कि भारत को अंतरराष्ट्रीय नागरिक उड्डयन संगठन (आईसीएओ) की परिषद में और भी मजबूत जनादेश के साथ दोबारा चुना गया है। मंत्रालय के मुताबिक यह चुनाव 27 सितंबर को मॉन्ट्रियल में आईसीएओ के 42वें अधिवेशन के दौरान हुआ। भारत को 2022 के चुनावों की तुलना में ज्यादा वोट मिले हैं, जो सदस्य देशों के बीच उसके नेतृत्व और अंतरराष्ट्रीय नागरिक उड्डयन के प्रति प्रतिबद्धता में बढ़ते विश्वास को दर्शाता है। मंत्रालय ने कहा कि वर्ष 1944 से आईसीएओ का संस्थापक सदस्य होने के नाते भारत ने 81 वर्षों से परिषद में अपनी निबांध उपस्थिति बनाए रखी है। यह सुरक्षित, संरक्षित, दीर्घकालिक, सामंजस्यपूर्ण और लैंगिक-समावेशी अंतरराष्ट्रीय नागरिक उड्डयन को बढ़ावा देने के आईसीएओ के मिशन को आगे बढ़ाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाता रहा है।

टेम्पसेंस इंस्ट्रूमेंट्स (इंडिया) ने आईपीओ के लिए सेबी के समक्ष दाखिल किया डीएचआरपी

एजेंसी नई दिल्ली। गुजरात के वडोदरा की कंपनी टेम्पसेंस इंस्ट्रूमेंट्स इंडिया ने अपने आर्थिक सार्वजनिक निर्गम (आईपीओ) के लिए भारतीय प्रतिभूति और विनियम बोर्ड (सेबी) के समक्ष अपना ड्राफ्ट रेड हेरिंग प्रॉस्पेक्टस (डीआरएचपी) दाखिल किया है।

पूँजी बाजार नियामक सेबी के समक्ष जमा दस्तावेज के मुताबिक टेम्पसेंस इंस्ट्रूमेंट्स इंडिया का 4 रुपये के अंकित मूल्य वाला यह आईपीओ 118 करोड़ रुपये तक के नए शेयरों का निर्गम है। इसमें प्रमोटरों अमित तलेसरा, पुनीत तलेसरा और चंद्र प्रकाश तलेसरा ने 17,925,071 इक्विटी शेयरों की बिक्री का प्रस्ताव दिया है। इसके अलावा शेयर बेचने



टेम्पसेंस इंस्ट्रूमेंट्स इंडिया 35.37 करोड़ रुपये के नए निर्गम से प्राप्त राशि का उपयोग कंपनी के विद्युत

लिस्टिंग बिना किसी बदलाव के 191 रुपये के स्तर पर ही हुई। लिस्टिंग के बाद बिकवाली का दबाव बन गया, जिसके कारण थोड़ी देर में कंपनी के शेयर गिर कर 181.45 रुपये के लोअर सर्किट लेवल पर आ गए। हालांकि दोपहर 2 बजे के बाद लिवाली शुरू हो जाने के कारण शेयर का लोअर सर्किट बेक हो गया। इसके बावजूद कंपनी के शेयर ज्यादा बढ़त नहीं बना सके। पूरे दिन के कारोबार के बाद कंपनी के शेयर 183.05 रुपये के स्तर पर बंद हुए। इस तरह पहले दिन के कारोबार के

आरबीआई ने रेपो रेट 5.5 फीसदी पर रखा बरकरार, जीडीपी ग्रोथ का अनुमान बढ़ाया

एजेंसी नई दिल्ली। रिजर्व बैंक ऑफ इंडिया (आरबीआई) की मौद्रिक नीति समिति (एमपीसी) ने रेपो रेट को 5.5 फीसदी पर बरकरार रखने का फैसला किया है। साथ ही चालू वित्त वर्ष 2025-26 में जीडीपी ग्रोथ 6.8 फीसदी रहने का अनुमान जताया है। आरबीआई गवर्नर संजय मल्होत्रा ने बुधवार को एमपीसी की तीन दिवसीय द्विमासिक समीक्षा बैठक के बाद इस फैसले की जानकारी दी।

आरबीआई गवर्नर ने छह सदस्यीय एमपीएस की तीन दिवसीय बैठक में लिए गए निर्णय की जानकारी देते हुए कहा, “एमपीसी ने आम सहमति से रेपो दर को 5.5 फीसदी पर बरकरार रखने का निर्णय किया है।” आरबीआई के गवर्नर ने कहा कि वस्?तु एवं सेवा कर (जीएसटी) दरों

में कटौती और अन्य उपायों को देखते हुए वित्त वर्ष 2025-26 में महंगाई 2.6 फीसदी रहने का अनुमान है, जो पहले 3.1 फीसदी था। आरबीआई के



गवर्नर ने द्विमासिक मौद्रिक नीति समीक्षा पेश करते हुए कहा कि वैश्विक स्तर पर चुनौतियों के बावजूद बेहतर मानसून और अन्य कारणों से पहली तिमाही में आर्थिक वृद्धि दर बेहतर रही

है। मल्होत्रा ने कहा कि अनुकूल मानसून, कम महंगाई और मौद्रिक नरमी से आर्थिक वृद्धि की संभावना मजबूत बनी हुई है। उन्होंने कहा कि

चालू वित्त वर्ष 2025-26 में आरबीआई गवर्नर संजय मल्होत्रा (जीडीपी) वृद्धि दर 6.8 फीसदी रहने का अनुमान है, जो पहले 6.5 फीसदी था। मल्होत्रा ने कहा कि जीएसटी

युक्तिसंगत बनाने से मुद्रास्फीति पर सकारात्मक प्रभाव पड़ेगा, उपभोग एवं वृद्धि विकास को बढ़ावा मिलेगा। उन्होंने कहा कि साथ ही मौद्रिक नीति रुख को तटस्थ बनाये रखा गया है। इसका मतलब है कि केंद्रीय बैंक आर्थिक स्थिति के हिसाब से नीतिगत दर में समायोजन को लेकर लचीला बना रहेगा। उल्लेखनीय है कि यह लगातार दूसरी बार है जब रेपो रेट को 5.5 फीसदी की कटौती कर चुका है। इस साल जून की मौद्रिक नीति की समीक्षा में रेपो रेट में 0.5 फीसदी की कटौती की गयी थी। वहीं, फरवरी और अप्रैल की मौद्रिक नीति की समीक्षा में रेपो रेट में 0.25-0.25 फीसदी की कटौती की गई थी।

आरबीआई ने छह सदस्यीय भुगतान नियामक बोर्ड का गठन किया

एजेंसी नई दिल्ली/मुंबई। रिजर्व बैंक ऑफ इंडिया (आरबीआई) ने मंगलवार को देशभर में भुगतान प्रणालियों के कामकाज की निगरानी के लिए छह सदस्यीय भुगतान नियामक बोर्ड (पीआरबी) का गठन किया है। इस बोर्ड की अध्यक्षता आरबीआई गवर्नर खुद करेंगे, जबकि इसमें केंद्र सरकार के तीन नामित सदस्य शामिल होंगे। रिजर्व बैंक ने जारी एक बयान में बताया कि भुगतान नियामक बोर्ड (पीआरबी) का गठन पीएसएस अधिनियम, 2007 की धारा 3 (2) के तहत किया गया है।

आरबीआई ने कहा कि देशभर में भुगतान प्रणालियों के कामकाज की निगरानी के लिए गठित छह सदस्यीय भुगतान नियामक बोर्ड में केंद्र सरकार के तीन नामित सदस्य भी शामिल हैं। इस बोर्ड के प्रमुख गवर्नर हैं। आरबीआई ने कहा कि वित्?त मंत्रालय



बैंक के केंद्रीय बोर्ड की एक समिति, भुगतान और निपटान प्रणाली विनियमन और पर्यवेक्षण बोर्ड (बीपीएसएस) का स्थान लेगा। इस पांच सदस्यीय बीपीएसएस का नेतृत्व भी रिजर्व बैंक के गवर्नर करते थे, लेकिन इसमें कोई सरकारी नामित सदस्य शामिल नहीं है।,आई में जारी अधिसूचना के अनुसार पीआरबी में रिजर्व बैंक के अन्य दो सदस्य डिप्टी

गवर्नर और भुगतान और निपटान प्रणालियों के प्रभारी कार्यकारी निदेशक हैं। इस बोर्ड में सरकार के नामित

सदस्यों में वित्तीय सेवा विभाग के सचिव, इलेक्ट्रॉनिक्स और सूचना प्रौद्योगिकी मंत्रालय के सचिव और पूर्व दूरसंचार सचिव अरुण सुंदरानन हैं। आई में जारी अधिसूचना के अनुसार नगणित भुगतान विनियामक बोर्ड की बैठक सामान्यतः वर्ष में कम से कम दो बार होगी। रिजर्व बैंक के प्रधान कानूनी सलाहकार बोर्ड की बैठकों में स्थायी आमंत्रित सदस्य होते हैं।

स्टॉक मार्केट में एप्टस फार्मा ने जोरदार एंट्री करके आईपीओ निवेशकों को किया खुश

एजेंसी नई दिल्ली। फार्मा सेक्टर की कंपनी एप्टस फार्मा के शेयरों ने आज स्टॉक मार्केट में मजबूत एंट्री करके अपने आईपीओ निवेशकों को खुश कर दिया। आईपीओ के तहत कंपनी के शेयर 70 रुपये के भाव पर जारी किए गए थे। आज बीएसई के एसएमई प्लेटफॉर्म पर इसकी लिस्टिंग 15.4 प्रतिशत प्रीमियम के साथ 80.80 रुपये के स्तर पर हुई। लिस्टिंग के बाद लिवाली के सपोर्ट से कंपनी के शेयरों के भाव में और तेजी का रुख बना। लगातार हो रही खरीदारी के सपोर्ट से दिन के दूसरे सत्र में कंपनी के शेयर उछल कर 84.84 रुपये के अपर सर्किल लेवल तक पहुंच गए और इसी स्तर पर बंद हुए। इस तरह पहले दिन के कारोबार में कंपनी के आईपीओ निवेशकों को 21.20 प्रतिशत का मुनाफा हो गया। एप्टस फार्मा का

13.02 करोड़ रुपये का आईपीओ 23 से 25 सितंबर के बीच सम्बक्रिप्शन के लिए खुला था। इस आईपीओ को निवेशकों की ओर से अच्छ रिस्पॉन्स मिला था, जिसके कारण ये ओवरऑल 22.27 गुना



सम्बक्राइब हुआ था। इनमें क्रालिफाइड इंस्टीट्यूशनल बायर्स (क्यूआईबी) के लिए रिजर्व पोर्शन 1.24 गुना सम्बक्राइब हुआ था।

नॉन इंस्टीट्यूशनल इन्वेस्टर्स (एनआईआई) के लिए रिजर्व पोर्शन में 28.75 गुना सम्बक्रिप्शन आया था। इसी तरह रिटेल इन्वेस्टर्स के लिए रिजर्व पोर्शन 31.43 गुना सम्बक्राइब हुआ था। इस आईपीओ

के तहत 10 रुपये फेस वैल्यू वाले 18,60,000 नए शेयर जारी किए गए हैं। आईपीओ के जरिये जुटाए गए पैसे का इस्तेमाल कंपनी अपनी

वर्किंग कैपिटल की जरूरतों को पूरा करने और आम कॉर्पोरेट उद्देश्यों में करेगी। कंपनी की वित्तीय स्थिति की बात करें, तो प्रॉस्पेक्टस में किए गए दावे के मुताबिक इसकी वित्तीय सेहत लगातार मजबूत हुई है। वित्त वर्ष 2022-23 में कंपनी को 19 लाख रुपये का शुद्ध लाभ हुआ था, जो अगले वित्त वर्ष 2023-24 में बढ़ कर 80 लाख रुपये और 2024-25 में उछल कर 3.10 करोड़ रुपये के स्तर पर पहुंच गया। इस दौरान कंपनी का राजस्व 38 प्रतिशत वार्षिक से अधिक की चक्रवृद्धि दर (कंपाउंड एनुअल ग्रोथ रेट) से बढ़ कर 24.64 करोड़ रुपये के स्तर पर पहुंच गया। इस दौरान कंपनी पर कर्ज में भी लगातार बढ़ोतरी हुई। वित्त वर्ष 2022-23 के आखिर में कंपनी का कर्ज 2.21 करोड़ रुपये था, जो वित्त वर्ष 2023-24 के आखिर में बढ़ कर 5.31 करोड़ रुपये हो गया।

सरकार ने पीपीएफ समेत लघु बचत योजनाओं की ब्याज दरों में नहीं किया बदलाव

एजेंसी नई दिल्ली। केंद्र सरकार ने एक अक्टूबर से शुरू होने वाली तीसरी तिमाही के लिए पीपीएफ और राष्ट्रीय बचत प्रमाणपत्र सहित विभिन्न लघु बचत योजनाओं की ब्याज दरों में कोई बदलाव नहीं किया। यह लगातार सातवीं तिमाही है, जब लघु बचत योजनाओं के लिए ब्याज दरों को यथावत रखा गया है।

दिसंबर) के लिए विभिन्न लघु बचत योजनाओं पर ब्याज दरें दूसरी तिमाही के लिए अधिसूचित दों पर बनी रहेंगी। अधिसूचना के मुताबिक सुकन्या समृद्धि योजना के तहत जमा पर 8.2 फीसदी की ब्याज दर मिलेगी, जबकि तीन साल की

सावधि जमा पर ब्याज दर चालू तिमाही में मौजूदा 7.1 फीसदी पर



बरकरार रहेगा। नौकरपेशा में लोकप्रिय लोक भविष्य निधि (पीपीएफ) और डाकघर बचत जमा योजनाओं की ब्याज दरें भी क्रमशः 7.1 फीसदी और चार फीसदी पर बरकरार रहेगी। मंत्रालय के मुताबिक किसान विकास पत्र पर ब्याज दर

कमर्शियल गैस सिलेंडर 16 रुपये तक महंगा, नई दरें लागू

एजेंसी नई दिल्ली। त्योहारी सीजन में महंगाई का झटका लगा है। सार्वजनिक क्षेत्र



की तेल एवं गैस विपणन कंपनियों ने 19 किलोग्राम वाले कमर्शियल गैस सिलेंडर की कीमत में 16 रुपये तक की बढ़ोतरी की है। हालांकि, घरेलू रसोई गैस सिलेंडर के दाम में कोई बदलाव नहीं किया गया है। नई दरें बुधवार से लागू हो गई हैं। इंडियन ऑयल की वेबसाइट के मुताबिक राजधानी नई दिल्ली में 19 किलोग्राम वाले कमर्शियल एलपीजी सिलेंडर के दाम में 15 रुपये का इजाजा किया गया है, जो अब 1580 रुपये से बढ़कर 1595 रुपये हो गया है। कोलकाता में यह सिलेंडर 16 रुपये रुपये महंगा होकर अब 1700 रुपये में उपलब्ध है। इसी तरह 19 किलोग्राम वाले कमर्शियल गैस सिलेंडर की कीमत अब मुंबई में 16 रुपये बढ़कर 1547 रुपये हो गई है, जबकि चेन्नई में यही सिलेंडर 16 रुपये महंगा हो गया है, 1754 रुपये में मिल रहा है। हालांकि, 14.2 किलोग्राम वाले घरेलू रसोई गैस सिलेंडर की कीमतों में कोई बदलाव नहीं किया गया है। यह सिलेंडर दिल्ली में 853.00 रुपये, कोलकाता में 879.00 रुपये, मुंबई में 852.50 रुपये और चेन्नई में 868.50 रुपये में मिल रहा है। उल्लेखनीय है कि कमर्शियल गैस सिलेंडर की कीमत में ये बढ़ोतरी होटल, रेस्टोरेंट और छोटे कारोबारियों की जेब पर असर डाल सकती है।

केंद्र का राजकोषीय घाटा अगस्त तक बजट अनुमान के 38 फीसदी पर

बजट अनुमान (बोई) का 27 फीसदी था। केंद्र सरकार का अनुमान है कि चालू वित्?त वर्ष 2025-26 के दौरान राजकोषीय घाटा सकल घरेलू उत्पाद



का 4.4 फीसदी यानी 15.69 लाख करोड़ रुपये होगा। आंकड़ों से पता चला है कि सरकार को अगस्त 2025 तक 12.82 लाख करोड़ रुपये (वित्त वर्ष 2025-26 के बजट में अनुमानित कुल प्राप्तियों का 36.7 फीसदी) प्राप्त हू। केंद्र सरकार द्वारा अगस्त तक केंद्रीय करों में हिस्सेदारी के रूप में राज्य सरकारों को 5.3 लाख

(2025-26 के बजट अनुमान का 37.1 फीसदी) था। इसमें से 14.49 लाख करोड़ रुपये राजस्व खाते में और 4.31 लाख करोड़ रुपये पूंजी खाते में व्यय हू। इस तरह कुल राजस्व खाते में से 5,28,668 करोड़ रुपये ब्याज भुगतान मद में और 1,50,377 करोड़ रुपये प्रमुख सब्सिडी मद में खर्च हुए।

जारे इंस्टीट्यूट ने किया निराश, प्लैट लिस्टिंग के बाद बना बिकवाली का दबाव

एजेंसी नई दिल्ली। एडटेक कंपनी जारे इंस्टीट्यूट ऑफ टेक्नोलॉजी, मैनेजमेंट एंड रिसर्च लिमिटेड के शेयरों ने आज स्टॉक मार्केट में प्लैट एंट्री करके अपने आईपीओ निवेशकों को निराश कर दिया। आईपीओ के तहत कंपनी के शेयर 890 रुपये के भाव पर जारी किए गए थे। आज बीएसई और एनएसई पर इसकी लिस्टिंग बिना किसी बदलाव के 890 रुपये के स्तर पर ही हुई। लिस्टिंग के बाद बिकवाली शुरू हो जाने के कारण इसकी चाल में गिरावट आ गई। पूरे दिन का कारोबार होने के बाद कंपनी के शेयर 744.25 रुपये के स्तर पर बंद हुए। इस तरह पहले दिन के कारोबार में कंपनी के आईपीओ निवेशकों को 16.38 प्रतिशत का नुकसान हो गया। जारे इंस्टीट्यूट ऑफ टेक्नोलॉजी, मैनेजमेंट एंड रिसर्च लिमिटेड का 450 करोड़ रुपये का आईपीओ 23 से 25 सितंबर के बीच सम्बक्रिप्शन के लिए खुला था। इस आईपीओ को निवेशकों की

ओर से अच्छ रिस्पॉन्स मिला था, जिसके कारण ये ओवरऑल 23.20 गुना सम्बक्राइब हुआ था। इनमें क्रालिफाइड इंस्टीट्यूशनल बायर्स (क्यूआईबी) के लिए रिजर्व पोर्शन 37.19 गुना सम्बक्राइब हुआ था। नॉन इंस्टीट्यूशनल इन्वेस्टर्स (एनआईआई) के लिए रिजर्व पोर्शन में 37.32 गुना सम्बक्रिप्शन आया था। इसी तरह रिटेल इन्वेस्टर्स के लिए रिजर्व पोर्शन 9.15 गुना सम्बक्राइब हुआ था। इस आईपीओ के तहत 10 रुपये फेस वैल्यू वाले 170 करोड़ रुपये के 19,10,112 नए शेयर जारी किए गए हैं। इसके अलावा 280 करोड़ रुपये के 31,46,067 शेयर ऑफर फॉर सेल विंडो के जरिये बेचे गए हैं। आईपीओ में नए शेयरों की बिक्री के जरिये जुटाए गए पैसे का इस्तेमाल कंपनी अपनी मार्केटिंग, ब्रांड बिल्डिंग और एक्स्टेंडिंगमेंट एक्टिविटीज पर खर्च करने, अपने के बोझ को कम करने और आम कॉर्पोरेट उद्देश्यों में करेगी।

डीजीसीए ने नवी मुंबई अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे को दिया एयरपोर्ट लाइसेंस

एजेंसी नई दिल्ली/मुंबई। विमानन नियामक नागरिक उड्डयन महानिदेशालय (डीजीसीए) ने नवी मुंबई अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे (एनएमआईए) को एयरपोर्ट का लाइसेंस प्रदान कर दिया है। एनएमआईए मुंबई महानगर क्षेत्र का दूसरा हवाई अड्डा होगा। नवी मुंबई अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डा लिमिटेड (एनएमआईएएल) ने जारी एक बयान में कहा, “नागर विमानन महानिदेशालय (डीजीसीए) ने लाइसेंस मिलने के साथ ही नवी मुंबई अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डा पर एक अग्रणी भूमिका निभाती है। प्राथमिक चरण में प्रति वर्ष 2 करोड़ यात्रियों (एमपीपी) की क्षमता और 5 लाख मॉट्रिक टन (एमएमटी) कार्गो की हलुआ की क्षमता होने की उम्मीद है।